राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!
गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 82
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 20 फरवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 यमुना एक्सप्रेसवे पर बनेगा हाइपर स्केल डेटा सेंटर
पेज 4 औरैया : कार नहर में गिरी, कारोबारी, पत्नी और बेटे की मौत
पेज 6 हरमनप्रीत सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला

22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा

चुनाव आयोग बोला- अप्रैल से प्रक्रिया शुरू होगी; अभी 12 राज्यों में वोटर्स वेरिफिकेशन जारी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लेटर लिखकर एसआईआर से जुड़ी तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है।

चुनाव आयोग ने लेटर में बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। लेटर में आगे कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पिछले साल 24 जून को आदेश दिया था कि पूरे देश में एसआईआर किया जाएगा। चुनाव आयोग ने पहले फेज में बिहार में एसआईआरकरवाया था। दूसरे फेज के तहत, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 28 अक्टूबर 2025 से एसआईआर जारी है। असम में, एसआईआर के बजाय स्पेशल रिवीजन 10 फरवरी को पूरा किया गया था।

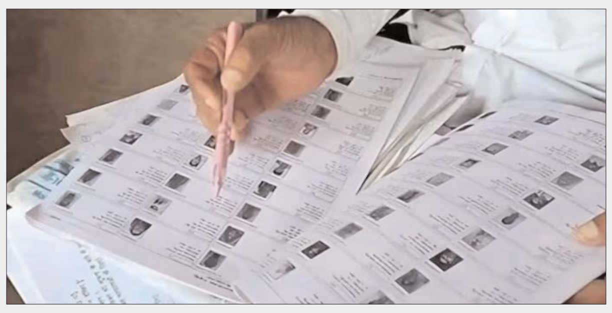

1. एसआईआर क्या है?

यह चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है। इसमें घर-घर जाकर लोगों से फॉर्म भरवाकर वोटर लिस्ट अपडेट की जाती है।

18 साल से ज्यादा के नए वोटरों को जोड़ा जाता है। ऐसे लोग जिनकी मौत हो चुकी है या जो दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं, उनके नाम हटाए जाते हैं। नाम, पते में गलतियों को भी ठीक किया जाता है।

2. पहले किस राज्य में हुआ?

पहले फेज में बिहार में हुआ। फाइनल लिस्ट में 7.42 करोड़ वोटर्स हैं। दूसरे फेज के तहत उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में एसआईआर की घोषणा हुई।

3. कौन करता है?

ब्लॉक लेवल ऑफिसर और बूथ लेवल एजेंट घर-घर जाकर वोटरों का वेरिफिकेशन करते हैं।

4. एसआईआर में वोटर को क्या करना होगा?

एसआईआर के दौरान BLO/BLA वोटर को फॉर्म देंगे। वोटर को उन्हें जानकारी मैच करवानी है।
अगर दो जगह वोटर लिस्ट में नाम है तो उसे एक जगह से कटवाना होगा। अगर नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तो जुड़वाने के लिए फॉर्म भरना होगा और संबंधित डॉक्यूमेंट्स देने होंगे।

5. एसआईआर के लिए कौन से दस्तावेज मान्य?

पेंशनर पहचान पत्र
किसी सरकारी विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र
जन्म प्रमाणपत्र
पासपोर्ट
10वीं की मार्कशीट
स्थायी निवास प्रमाणपत्र
वन अधिकार प्रमाणपत्र
जाति प्रमाणपत्र
राष्ट्रीय रजिस्टर (NRC) में नाम
परिवार रजिस्टर में नाम
जमीन या मकान आवंटन पत्र
आधार कार्ड

6. एसआईआर का मकसद क्या है?

1951 से लेकर 2004 तक का एसआईआर हो गया है, लेकिन पिछले 21 साल से बाकी है। इस लंबे दौर में मतदाता सूची में कई परिवर्तन जरूरी हैं। जैसे लोगों का माइग्रेशन, दो जगह वोटर लिस्ट में नाम होना।
डेथ के बाद भी नाम रहना। विदेशी नागरिकों का नाम सूची में आ जाने पर हटाना।
कोई भी योग्य वोटर लिस्ट में न छूटे और कोई भी अयोग्य मतदाता सूची में शामिल न हो।

संक्षिप्त खबरें

बेंगलुरु में पैरालाइज्ड पति के सामने महिला का गला काटा

बेंगलुरु। बेंगलुरु के नेलमंगला में 70 साल की एक महिला की घर में गला रेतकर हत्या कर दी गई। वारदात के समय उनका पैरालाइज्ड पति बिस्तर पर उनके पास ही लेटा था। ऐसा लग रहा था कि पति को पत्नी की हत्या की भनक भी नहीं लगी है। आरोपी महिला की हत्या के बाद करीब 65 लाख रुपए के सोने के गहने लूटकर फरार हो गया। मृतका का नाम शोभा था। वह अपने पति रंगनाथ के साथ कोटे बेदी इलाके में रहती थीं। दंपती की कोई संतान नहीं थी। रंगनाथ पिछले 15 साल से पैरालाइज्ड और बिस्तर पर हैं। घटना का खुलासा तब हुआ जब रंगनाथ को फिजियोथेरेपी देने पहुंचे डॉक्टर ने शोभा का खून से लथपथ शव बिस्तर पर पड़ा देखा।

ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें सार्वजनिक पद पर रहते हुए गलत बर्ताव के शक में पकड़ा गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने उन्हें गुरुवार सुबह करीब 8 बजे सैंड्रिंघम में उनके घर से हिरासत में लिया। बता दें कि एंड्रयू का आज ही जन्मदिन है। दरअसल, एपस्टीन मामले में पीड़िता रही वर्जीनिया गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी तब प्रिंस एंड्रयू ने उनका यौन शोषण किया था। हालांकि, एंड्रयू ने ग्रिफे के सभी आरोपों को खारिज किया था। गिफ्रे की अप्रैल 2025 में मौत हो गई थी। इसकी वजह आत्महत्या बताई गई थी।

मौसम ने फिर ली करवट

एनसीआर में बारिश का दौर थमा, अब बढ़ेगी गर्मी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई राज्यों में पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां कुछ दिन पहले तक हल्की बारिश और ठंडक का असर था, वहीं अब मौसम विभागके अनुसार बारिश का दौर लगभग खत्म हो चुका है और तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने वाली है।

फरवरी के इस महीने में पहले ही कई इलाकों में असामान्य रूप से उच्च तापमान दर्ज किया जा चुका है, जैसे दिल्ली में 31.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

एनसीआर में बारिश अब नहीं, साफ आसमान और धूप का दौर

मौसम विभाग के ताजा अपडेट के मुताबिक, 18 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ छींटे पड़े थे, जो एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुआ था। लेकिन 19 फरवरी से मौसम साफ हो गया है और अगले कई दिनों तक बारिश की कोई प्रमुख संभावना नहीं है।

20 फरवरी (शुक्रवार) : अधिकतम 27-29 डिग्री, न्यूनतम 12-14 डिग्री। साफ आसमान, न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट की संभावना लेकिन कुल मिलाकर गर्माहट बढ़ेगी।

21 फरवरी : अधिकतम 28-30 डिग्री, न्यूनतम 12-14 डिग्री।

22-23 फरवरी : अधिकतम 29-32 डिग्री तक पहुंच सकता है, न्यूनतम 13-15 डिग्री के आसपास।

आईएमडी के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अगले 7 दिनों में अधिकतम तापमान में 3-4 डिग्री की बढ़ोतरी संभावित है। न्यूनतम तापमान भी धीरे-धीरे 2-3 डिग्री बढ़ सकता है।

इससे प्री-मानसून जैसी स्थिति का आभास हो रहा है, जबकि फरवरी अभी चल रहा है।

राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी

नई दिल्ली। करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को यह दावा किया। उन्होंने धमकी वाला वीडियो भी सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। पवन खेड़ा ने लिखा कि पूरा आरएसएस-भाजपा तंत्र एक गोडसे फैक्ट्री है। तथाकथित करणी सेना द्वारा राहुल गांधी और 25 सांसदों के खिलाफ दी गई धमकी कोई अलग-थलग पड़ी घटना नहीं है। यह एक सुनियोजित और कपटपूर्ण साजिश का हिस्सा है। उन्होंने एक्स पर लिखा- कट्टरपंथ ऐसे ही काम करता है। वे पहले एक झूठ बनाते हैं, पॉलिटिकल अथॉरिटी उसे आगे बढ़ाती हैं और तब तक फैलाती हैं जब तक उनके फॉलोअर्स के मन में नफरत और हिंसा नहीं भर जाती। तब भी गोडसे बनाया गया था। आज फिर एक और गोडसे को तैयार किया जा रहा है।

ट्रैफिक जाम

नई दिल्ली में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट के बीच भारत मंडपम के पास इंद्रप्रस्थ रोड पर भारी ट्रैफिक जाम।

आई-पैक रेड विवाद-ममता पर पावर के गलत इस्तेमाल का आरोप

ईडी सुप्रीम कोर्ट में बोली-सीएम के फायदे के लिए पुलिस ने काम में रुकावट डाली

नई दिल्ली/कोलकाता। केंद्रीय जांच एजेंसी एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पावर का गलत इस्तेमाल किया है। एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सीएम और राज्य की मशीनरी कथित कोयला चोरी स्कैम के सिलसिले में आई-पैक ऑफिस और उसके डायरेक्टर के ठिकानों पर रेड के दौरान गैर-कानूनी तरीके से घुसे।

केंद्रीय एजेंसी ने बुधवार को हुई सुनवाई में अपने जवाब में कहा कि राज्य पुलिस के सीनियर अधिकारियों ने मिलीभगत की है और पीएमएलए के तहत ईडी के अधिकारियों के काम करने में रुकावट डाली है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि ये सब पश्चिम बंगाल राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निजी फायदे के लिए किया गया है।

ईडी ने आई-पैक रेड मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। ईडी का आरोप है कि 8 जनवरी को आई-पैक के ऑफिसों पर रेड के दौरान सीएम ममता बनर्जी और बंगाल पुलिस के अधिकारियों ने उनकी कार्रवाई में रुकावट डाली। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाराई 18 मार्च तक टाल दी है। इससे पहले 3 फरवरी को सुनवाई टाली गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का ईडी की जांच में बाधा डालना बहुत गंभीर मुद्दा है।

हैप्पी मॉर्निंग

पलटू- अंकल, मुझे पीएचडी की डिग्री मिल गई है, अब आप मेरा उधारी वाला खाता निकालो। दुकानदार- अरे बहुत अच्छा, आज सारा हिसाब चुकता करोगे क्या? पलटू- नहीं अंकल, बस खाते में मेरे नाम के आगे डॉक्टर लगा दो। दुकानदार ने लट्ठ उठाकर उसको जमकर कूटा।

शायरी

बेटियाँ बाप की आँखों में छुपे
ख़्वाब को पहचानती हैं
और कोई दूसरा इस ख़्वाब को
पढ़ ले तो बुरा मानती हैं

हरियाणा पुलिस और किसानों के बीच झड़प

अंबाला में रिंग रोड से टेंट उखाड़े, कई हिरासत में; नेशनल हाईवे पर हंगामा, दो घंटे बाद सहमति नहीं

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। निर्माणाधीन रिंग रोड व अंबाला-शामली हाईवे से से खेतों में जाने का रास्ता देने की मांग को लेकर किसान 10 दिन से धरने पर बैठे थे। पुलिस ने उनके तंबू उखाड़ दिए। साथ ही कई किसानों को हिरासत में ले लिया।

गुस्से में किसान अंबाला- जगाधरी नेशनल हाईवे जाने करने पहुंच गए। फिलहाल हाईवे पर भी भारी पुलिस बल तैनात है। वहीं, पुलिस ने रिंग रोड के रास्ते से किसानों द्वारा डाली गई चारपाइयां भी उठा लीं। धरनास्थल खाली कराकर दोबारा काम चालू करा दिया।

उधर, किसानों का कहना है कि NHAI से बात चल रही थी, लेकिन समस्या का कोई हल नहीं निकल सका। यह रिंग रोड बनने से उनके खेतों तक जाने का रास्ता नहीं बचेगा। बरसाती पानी की निकासी में भी दिक्कत होगी, जिससे फसलों नुकसान होगा।

बता दें कि गुरुवार को 5 गांव के किसान एनएचएआई से कोई आश्वासन ने मिलने के बाद मशीनों की घेराबंदी कर रहे थे। इसके बाद स्थिति बिगड़ गई। पुलिस और किसानों में झड़प शुरू हो गई। पुलिस ने किसानों को खदेड़ते हुए बसों में बैठाना शुरू कर दिया था।

फिलहाल, स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के अध्यक्ष गुरुनाम सिंह चढ़ूनी मौके पर पहुंच गए है। उनकी अंबाला कैंट डीएसपी और एसडीएम के साथ शाम साढ़े 7 बजे तक भी बातचीत चल रही है। पुलिस किसानों को नेशनल हाइवे से पीछे हटने को मनाने की कोशिश कर रही है। हिरासत में लिए गए किसानों को छोड़ दिया गया।

पंजाब-हरियाणा, चंडीगढ़ से हिमाचल जाना महंगा

सरकार ने प्रति गाड़ी 230 तक एंट्री टैक्स बढ़ाया; फास्टैग भी जरूरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में घूमने जाने वालों को अब ज्यादा जेब ढीली करनी होगी। राज्य सरकार ने बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों की एंट्री फीस में 30 से 230 रुपए तक की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगी। इसका असर टूरिस्ट के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट और ढुलाई दरों पर भी पड़ेगा। सरकार ने इसको लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दी है। हिमाचल में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ समेत अन्य राज्यों से टूरिस्ट घूमने जाते हैं।

हिमाचल सरकार की नई टोल बैरियर नीति के तहत एंट्री फीस की वसूली बैरियरों पर ही की जाएगी। इसके लिए फास्टैग अनिवार्य किया जा रहा है। बैरियरों की नीलामी अब ऑनलाइन माध्यम से होगी। जिला स्तर पर डीसी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाएगी, जो संचालन और निगरानी करेगी। ठेकेदारों को 15 दिन के भीतर फास्टैग सहित जरूरी व्यवस्थाएं लागू करनी होंगी। सरकार का दावा है कि इससे जाम कम होगा और आवाजाही सुगम बनेगी।

पर्यटन पर पड़ेगा असर

एंट्री फीस की बढ़ोतरी ने टूरिस्टों के साथ साथ कारोबारियों की चिंताएं बढ़ा दी है। शिमला के होटेलियर अश्वनी सूद ने बताया कि एंट्री फीस की बढ़ोतरी का पर्यटन पर असर पड़ेगा। उन्होंने इस बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग की है।

अर्थसार

सेंसेक्स:
82,498.14
-1,236.11 (1.48%)
निफ्टी:
25,454.35
-365.00

मौसम

अधिकतम : 27 डिग्री से0
न्यूनतम : 14 डिग्री से0
सूर्योदय शनिवार : 7 : 17
सूर्यास्त शुक्रवार : 6 : 20

दिल्ली के जनकपुरी में ई-रिक्शा पलटने से 6 साल की बच्ची की मौत

परिवार बोला- कोई मदद करने नहीं आया

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में कार की टक्कर के बाद ई रिक्शा पलटने से एक 6 साल की बच्ची की मौत हो गई।

ई रिक्शे में मौजूद बच्ची की दादी घायल हो गईं। घायल ने बताया कि उन्होंने एक कार ड्राइवर से मदद मांगी और बच्ची को हॉस्पिटल ले जाने की गुजारिश की। मदद करने के बजाय, वह भाग गया। मुझे याद नहीं कि यह वही कार थी जिसने हमें टक्कर मारी थी।

पुलिस के मुताबिक, 17 फरवरी की सुबह माता चानन देवी हॉस्पिटल से एक नाबालिग लड़की के एक्सीडेंट की पीसीआर कॉल आई थी। एक्सीडेंट में घायल होने के बाद पीड़िता और उसकी नानी, मर्सी जेवियर (57) को पहले माता चानन देवी हॉस्पिटल ले जाया गया था। बाद में उन्हें द्वारका की एक एडवांस्ड फैसिलिटी में शिफ्ट कर दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, इलाज के दौरान लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान, मर्सी जेवियर ने बताया कि 17 फरवरी को सुबह करीब 7.40 बजे, वह अपनी पोती के साथ ई-रिक्शा में जा रही थी। जनकपुरी फायर स्टेशन के पास, ई-रिक्शा एक कार से टकराकर पलट गया, जिससे वे दोनों सड़क पर गिर गईं, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

ट्रिपल मर्डर

मेहमान बनकर आए 4 वर्षीय भांजे की हत्या की कोशिश की

लोहे की रॉड से माता-पिता और भाई की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

बैतूल। कोतवाली थाना क्षेत्र के सांवगा गांव में गुरुवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। युवक दीपक धुर्वे ने लोहे की रॉड और डंडे से पिता हंसू धुर्वे (55), मां कमलती धुर्वे (45) और भाई दिलीप धुर्वे (23) की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घर में मौजूद एक बिल्ली को भी मार डाला।

मेहमान बनकर आए 4 वर्षीय भांजे की हत्या की कोशिश की, लेकिन वह कपड़ों के पीछे छिप गया, जिससे उसकी जान बच गई। दोपहर में गांव के युवक अर्जुन ने घर बंद देख खिड़की से झांका तो तीनों शव पड़े थे और दीपक पास बैठा था।

सूचना पर खेड़ी चौकी पुलिस पहुंची। ग्रामीणों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया। फर्श और दीवारों पर खून के छींटे थे।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर घटनास्थल से रॉड और डंडा जब्त किया। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया ने बताया कि आरोपी पिछले चार-पांच वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है।

मेडिकल जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

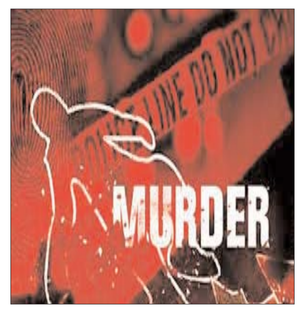

पुलिस के अनुसार दीपक धुर्वे (25) ने पिता हंसू धुर्वे (55), मां कमलती धुर्वे (40) और भाई दिलीप धुर्वे (23) की हत्या कर दी। वहीं आरोपी ने मेहमानी आए अपने 4 वर्षीय भांजे प्रशांत परते पर भी हमला किया, जो घायल है। मौके पर एक बिल्ली का शव भी मिला है, जिससे आशंका है कि उसे भी मार दिया। परिजनों ने बताया कि दीपक 12वीं कक्षा का स्कूल का टॉपर रहा है।

15 घंटे तक कोने में छिपा रहा भांजा

आरोपी ने माता-पिता और भाई की हत्या करने के बाद 4 साल के भांजे प्रशांत की भी हत्या करने की कोशिश की। लेकिन मासूम भाग कर घर कोने में कपड़ा ढककर छिप गया। करीब 15 घंटे बाद पुलिस पहुंची। इसके बाद मासूम को बाहर निकाला। पुलिस ने जब उसे पकड़ा तो गुस्सा दिखाने लगा। बाद में पूछा कि इन्हें कैसे मारा तो बोला मैने मार दिया है, पर कैसे मारा पता नहीं। ग्रामीणों ने बताया आरोपी दीपक धुर्वे सीआरपीएफ में जाना चाहता था। वह इसके लिए तैयारी कर रहा था। लेकिन चयन नहीं होने पर उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ गई थी। परिवार वाले उसका नागपुर में इलाज भी करा रहे थे।

संपादकीय

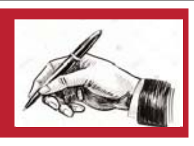

संसद में बहस या बहाना? लोकतंत्र की धड़कन क्यों हो रही है कमजोर

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

बशीर बद्र साहब की बात से शुरू करता हूँ

अगर फ़ुर्सत मिले पानी की तहरीरों को पढ़ लेना
हर इक दरिया हज़ारों साल का अफ़्साना लिखता है

आज के दौर पर नज़र रखें देशभक्तों।
भारत का लोकतंत्र सिर्फ चुनावों से नहीं चलता,
वह बहस से चलता है।
वह सवालों से चलता है।
वह असहमति से मजबूत होता है।

लेकिन आज हालात यह हैं कि संसद में आवाज़ उठाने की कोशिश भी नियमों के जाल में फँस जाती है। हाल ही में Rahul Gandhi को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलने से रोका गया। मुद्दा था—राष्ट्रीय सुरक्षा और चीन सीमा से जुड़े सवाल। आपत्ति यह थी कि उन्होंने एक अप्रकाशित संस्मरण और एक मैगज़ीन लेख का हवाला दिया।
सवाल यह है—क्या संसद में तथ्य की जगह अब 'अनुमति' ने ले ली है?

नियम बनाम लोकतंत्र

संसद के नियम ज़रूरी हैं।
लेकिन नियम तब तक लोकतांत्रिक हैं जब तक वे संवाद को रोकने का औज़ार न बन जाएँ।
जब विपक्ष के नेता को बार-बार रोका जाता है, माइक बंद होता है, या बयान रिकॉर्ड से हटाए जाते हैं—तो यह केवल एक व्यक्ति की आवाज़ नहीं दबती, यह करोड़ों मतदाताओं की आवाज़ दबती है।
लोकतंत्र में सत्ता का काम जवाब देना है,
न कि सवालों से बचना।

राष्ट्रवाद की परिभाषा कौन तय करेगा?

आज 'राष्ट्रवाद' शब्द का उपयोग ढाल की तरह किया जा रहा है।
जो सवाल पूछे, वह राष्ट्रविरोधी।
जो आंकड़े मांगे, वह एजेंडा चलाने वाला।
जो सरकार से जवाबदेही चाहे, वह देश की छवि खराब करने वाला।

लेकिन इतिहास गवाह है—
सच्चा राष्ट्रवाद सवालों से डरता नहीं,
सच्चा राष्ट्रवाद पारदर्शिता से मजबूत होता है।

संसद : बहस का मंच या शक्ति प्रदर्शन?

लोकसभा का उद्देश्य बहुमत की ताकत दिखाना नहीं,
बल्कि विचारों का टकराव कर समाधान निकालना है।
अगर हर गंभीर मुद्दे पर विपक्ष की आवाज़ को नियमों की आड़ में रोका जाएगा, तो फिर संसद और टीवी डिबेट में क्या फर्क रह जाएगा?
लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं—
वह सुधार का पहला कदम है।
जनता को तय करना होगा
आज देश की जनता को तय करना होगा—
क्या हम एक ऐसे लोकतंत्र की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ-

- चुनाव होंगे,
- लेकिन बहस सीमित होगी?
- सवाल पूछे जाएंगे,
- लेकिन जवाब टाले जाएंगे?

या हम उस परंपरा को बचाएंगे जहाँ संसद सच में 'जनता की अदालत' होती है?
लोकतंत्र की ताकत सिर्फ बहुमत से नहीं आती।
वह विरोध की गरिमा से आती है।
अगर विपक्ष की आवाज़ कमजोर होगी,
तो कल जनता की आवाज़ भी कमजोर हो जाएगी।
और जब संसद की धड़कन धीमी होती है—
तो लोकतंत्र को आईसीयू में जाने में देर नहीं लगती।

अपराध की मंशा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें 'बलात्कार के प्रयास' की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुन:पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है।

दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वत:संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है।

जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया। निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस- 20 फरवरी, 2026

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तार: एक सार्थक पुकार

- ललित गर्ग-

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम समावेश को सशक्त बनाना: सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं- चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है।

आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है।

भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। संतुष्टिकरण बनाम तुष्टिकरण की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती।

शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक् समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके।

2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है।

यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3806

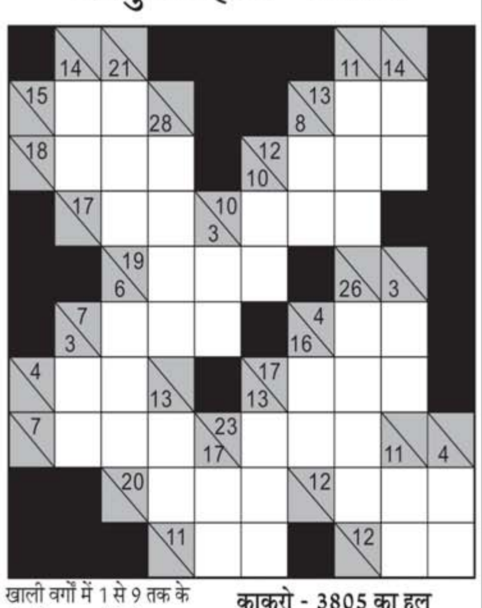

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3805 का हल

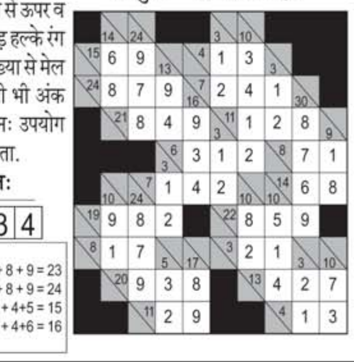

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3806

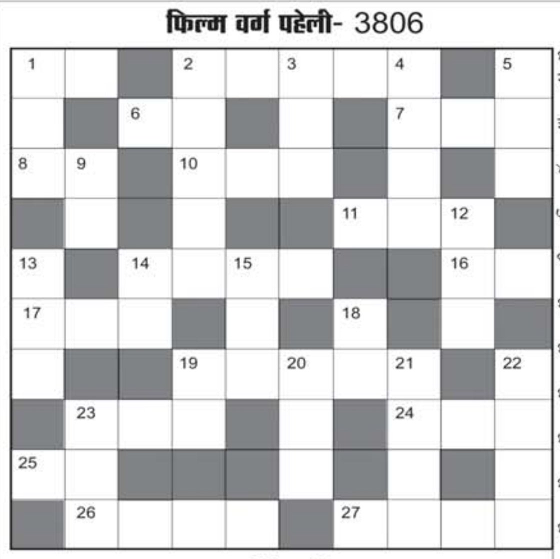

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3805

सूडोकु -3806

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3805 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 3806

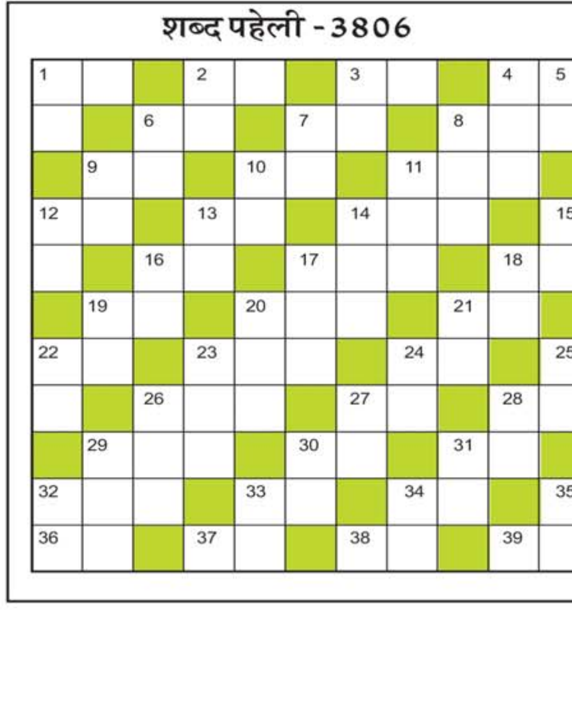

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुन:,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -3805 का हल

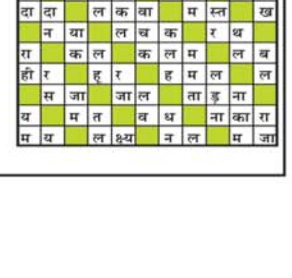

यमुना एक्सप्रेसवे पर बनेगा हाइपर स्केल डेटा सेंटर

400 करोड़ का होगा निवेश, 7000 सर्वर रैक की होगी क्षमता, पांच एकड़ भूमि आवंटित

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में बीके सेल्स कॉर्पोरेशन ने लगभग 400 करोड़ रुपये के निवेश से एक अत्याधुनिक हाइपरस्केल डेटा सेंटर स्थापित करेगा। गुरुवार को यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बीके सेल्स कॉर्पोरेशन को डेटा सेंटर स्थापना के लिए पांच एकड़ भूमि आवंटन के लिए पत्र सौंपा। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया भी उपस्थित रहे।

परियोजना की प्रमुख विशेषताएं

उत्तर भारत में डिजिटल अवसंरचना को सशक्त बनाने की दिशा में यह परियोजना मील का पत्थर सिद्ध होगी।

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का नेतृत्व कैलटेक (कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) के पूर्व छात्र करण गुप्ता करेंगे।

यीडा सेक्टर में पांच एकड़ के प्राइम भूखंड पर स्थापित की जा रही यह हाइपरस्केल डेटा सेंटर परियोजना दो अत्याधुनिक डेटा सेंटर भवनों के रूप में विकसित होगी।

इसकी कुल नियोजित क्षमता लगभग 7000 सर्वर रैक की होगी।

परियोजना में दो चरणों में करीब 400 करोड़ का निवेश किया जाएगा। पूर्ण संचालन के बाद लगभग 100 योग्य पेशेवरों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

भूमि हस्तांतरण के 18 माह के भीतर व्यावसायिक संचालन प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

यह डेटा सेंटर उच्च घनत्व डिजिटल संचालन और तेजी से बढ़ते एआई सेगमेंट को विशेष समर्थन प्रदान करेगा।

ट्रिलियन डॉलर इकनॉमी का लक्ष्य

राज्य सरकार की डेटा सेंटर नीति, निवेश-अनुकूल वातावरण और सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रणाली के कारण प्रदेश में बड़े निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी' विजन के अनुरूप यह निवेश प्रदेश को डिजिटल नवाचार के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम है।

हरित ऊर्जा और उन्नत तकनीक पर जोर

परियोजना में नवीकरणीय ऊर्जा समाधान, अत्याधुनिक कूलिंग तकनीक और ऊर्जा-कुशल पावर सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। इससे बिजली खपत में कमी और कार्बन फुटप्रिंट घटाने में सहायता मिलेगी।

साथ ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की निकटता के कारण परियोजना को अबाधित विद्युत आपूर्ति और विकसित फाइबर नेटवर्क का लाभ प्राप्त होगा।

सिम्प्लास्ट ग्रुप करेगा 70 करोड़ का निवेश

इटली आधारित वैश्विक कंपनी सिम्प्लास्ट ग्रुप ने यीडा क्षेत्र में 70 करोड़ के कुल निवेश से ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए उन्नत प्लास्टिक एवं रोटेशनल मोल्डिंग उत्पादों की नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा की है, जिसमें 50 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) शामिल है। गुरुवार को यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने कंपनी को तीन एकड़ भूमि आवंटन के लिए एलओआई पत्र सौंपा। यह परियोजना भारत-इटली औद्योगिक सहयोग को नई मजबूती प्रदान करते हुए यमुना क्षेत्र को वैश्विक विनिर्माण हब के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। कुल 70 करोड़ के निवेश से प्रदेश में विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ेगा तथा कुशल, अर्द्ध-कुशल एवं अकुशल श्रमिकों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

एक दर्जन स्कूलों में ईमेल से मिली धमकी से मचा हड़कंप

पुलिस जांच के बाद होक्स कॉल साबित हुआ

नोएडा। नोएडा के लगभग एक दर्जन नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी ईमेल के माध्यम से भेजी गई, यह घटना उस समय हुई जब स्कूलों में बोर्ड परीक्षाएं चल रही थीं। पूरे शहर और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया पुलिस की कई टीमों ने अलग-अलग स्कूलों में एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। लेकिन अब तक किसी भी स्कूल में कोई भी आपत्तिजनक पदार्थ नहीं मिला। अधिकारियो का कहना है कि यह होक्स कॉल यानी अफवाह हो सकती है। लेकिन एहतियात के तौर पर स्कूलों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दे कि ईमेल मिलते ही बम से उड़ाने की धमकी मिलते ही स्कूलों को खाली करा लिया गया। नोएडा पुलिस की कई टीमों ने अलग-अलग स्कूलों में एक साथ ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर राजीव नारायण मिश्रा की देख रेख में भारी पुलिस बल, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड सर्च ऑपरेशन चलाया गया। उन्होंने बताया कि अब तक की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है और यह एक %होक्स कॉल% यानी अफवाह हो सकती है। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर, ने कहा कि सुबह ईमेल के माध्यम से कुछ स्कूलों में बम होने की सूचना मिली थी। हमारी टीमें तुरंत सक्रिय हुईं और विशेषज्ञ टीमों के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। हम ईमेल के सोर्स का पता लगा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से उस ईमेल एड्रेस को ट्रैक कर रही है जिससे यह धमकी भेजी गई थी। हालांकि अभी तक कोई विस्फोटक बरामद नहीं हुआ है, लेकिन एहतियात के तौर पर स्कूलों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।अभिभावकों से अपील है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक पुष्टि पर ही भरोसा करें।

नोएडा सीपी लक्ष्मी सिंह एमिटी एक्सलेंस अवार्ड से सम्मानित

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में 26वें अंर्तराष्ट्रीय बिज़नेस क्षितिज 'इनबुश विश्व सम्मेलन 2026' के दूसरे दिन महिला नेतृत्व एवं कल्याण पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता डा पिंकी आनंद, बोइंग 787 की वरिष्ठ कमांडर अर्चना कपूर मौजूद रही। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि यह सच है कि अधिकतर ना केवल राष्ट्रीय बल्कि स्थानीय बैंकों में खाता धारक महिलाएं है। पिछले दस सालों में वित्तीय क्रांति ने उन्हे सशक्त किया है। उत्तर प्रदेश एक मात्र राज्य है जहां बैंक सखी है जो ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर बैंकिंग सुविधा पहुंचाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करती है। वित्तीय साक्षरता क्रांति के साथ शिक्षा कार्यक्रम के बड़े पैमाने पर संचालित हो रहे है।

केंद्र सरकार को भेजी जाएगी नोएडा पजल पार्किंग कार्ययोजना

चार स्थानों पर किया जाएगा निर्माण, भीड़ वाले इलाकों में राहत मिलेगी

नोएडा। नोएडा शहर में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है। सड़को पर सरफेस पार्किंग की जा रही है। ये जाम का कारण भी बन रही है। प्राधिकरण अब पजल पार्किंग का निर्माण करेगा। चार स्थानों पर पजल पार्किंग बननी है। इसकी पूरी कार्ययोजना जिसमें एस्टीमेट, बनाने वाली कंपनी, लोकेशन और पार्किंग क्षमता की पूरी जानकारी अक्टूबर तक केंद्र सरकार को भेजी जाएगी।

इन पार्किंग का निर्माण एनकेप फंड से कराया जाएगा। इसलिए पूरी जानकारी प्राधिकरण भेजेगा। पहली पजल पार्किंग सेक्टर-63 , दूसरी सेक्टर-124 और दो अन्य स्थानों पर बनाई जाएगी।

3 से 6 मिनट में होगी पार्क

प्राधिकरण ने बताया कि ये पार्किंग हाइड्रोलिक पार्किंग से अलग होती है। ऑटोमेटिड पजल पार्किंग एक पजल गेम की तरह है। जिसमें जितने पार्किंग स्लॉट होते है उतने ही स्टैंड होते है। जो ऊपर, नीचे, दाय और बाय मूवबेल होते है। एक कार को पार्क करने में 3 से 6 मिनट का समय लगता है।

यानी मल्टीलेवल और हाइड्रोलिक या अन्य स्थानों पर पार्किंग करने पर गाड़ी निकालने और पार्क करने में आपको 15 से 20 मिनट का समय लगता है।

नोएडा में चार से छह फ्लोर तक की ऑटोमैटिड पजल पार्किंग बनाएंगे। इसके प्रत्येक फ्लोर पर 25 कार आसानी से पार्क हो सकेंगे।

पार्किंग निर्माण में नहीं लेता स्पेस

इस तरह की पार्किंग के निर्माण में ज्यादा स्पेस की जरूरत नहीं होती। बहुत कम स्पेस में पांच से छह फ्लोर तक की बन सकती है। ये पूरी पार्किंग सेंसर बेस्ड होती है। इसलिए चोरी से लेकर टूट फूट का खतरा नहीं होता।

ऑपरेशन के लिए ज्यादा मैन पावर की आवश्यकता नहीं है। हालांकि संचालन के लिए उसी कंपनी को प्रिफरेंस दिया जाएगा जो पहले इसका संचालन कर चुकी है।

पीली लाइन पार करते ही रुक जाएगा सिस्टम

दरअसल ये पार्किंग ऑटोमैटिड है। इसमें गाड़िया ग्राउंड से एक फ्लोर से दूसरे फ्लोर में शिफ्ट होती है। उसी तरह नीचे आती है। ये पूरा काम मशीनों के जरिए होता है। इसलिए इसमें सेंसर लगाए गए है।

यदि कोई बच्चा या जानवर गलती से पार्किंग के अंदर आ जाए तो ऑटोमैटिक जहां कार है वहीं स्थिर हो जाएगी। वो नीचे नहीं आएगी ताकि इसके नीचे कोई दब न जाए। इसकी रेंज तय की जा सकती है। जिसे पीली लाइन से इंडीकेट किया जा सकता है।

शार्ट न्यूज

बेटे की शादी में 1 रुपए शगुन लिए

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के साकीपुर गांव में भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष जितेंद्र भाटी ने अपने पुत्र अनिकेत भाटी के विवाह में दहेज जैसी कुरीति को त्यागकर एक मिसाल कायम की है। उन्होंने शादी में मात्र 1 रुपये का शगुन स्वीकार किया। गुरुवार को अनिकेत का विवाह दिल्ली के बिहारीपुर निवासी प्रवीण की सुपुत्री निखिता के साथ संपन्न हुआ। इस विवाह की सबसे बड़ी विशेषता इसका दहेज मुक्त होना रही। जितेंद्र भाटी ने लगन और सगाई के दौरान उपहारों के बजाय मात्र 1 रुपये का प्रतीकात्मक टीका स्वीकार किया। इतना ही नहीं, विदाई के समय भी कन्या पक्ष से कोई कीमती वस्तु या नकदी लेने के बजाय केवल 1 रुपये का कन्यादान स्वीकार कर इस रिश्ते को सादगी और सम्मान की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। शादी में फिजूलखर्ची रोकने के उद्देश्य से बारात में डीजे और शोर-शराबे को भी दूर रखा गया। सादगी के साथ निकली इस बारात ने यह संदेश दिया कि विवाह दो परिवारों का मिलन है, न कि प्रदर्शन का माध्यम। जितेंद्र भाटी के इस कदम की पूरे जिले में सराहना हो रही है। यह पहल उन लोगों के लिए एक बड़ी सीख है जो विवाह को आर्थिक बोझ बना देते हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे के पास से गांजा तस्कर गिरफ्तार

जेवर। ग्रेटर नोएडा में दनकौर कोतवाली पुलिस ने यमुना एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के पास से एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी शहजाद के कब्जे से करीब 650 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह नियमित गश्त के दौरान सर्विस रोड पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रोककर पूछताछ की और तलाशी लेने पर उसके पास से गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शहजाद बताया। उसने स्वीकार किया कि वह पिछले कई महीनों से गांजे की तस्करी कर रहा था। आरोपी ने यह भी बताया कि वह अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए इस अवैध धंधे में शामिल हुआ था। वह कासना क्षेत्र में रहकर गांजे की अवैध सप्लाई करता था और दनकौर क्षेत्र में माल पहुंचाने के इरादे से आ रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही उसके नेटवर्क और सप्लाई चेन की जांच की जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों को भी पकड़ा जा सके।

कुएं से मिले गोवंश के अवशेष

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र स्थित सेक्टर-21 में निर्माणाधीन फिल्म सिटी के पास गुरुवार दोपहर एक रजवाहे और कुएं में गोवंश के अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और विरोध जताया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। एहतियातन क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। ग्रामीणों का दावा है कि फिल्म सिटी परिसर के अंदर स्थित एक अन्य कुएं में भी गोवंश के अवशेष पड़े हैं। घटना को लेकर लोगों ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था होने के बावजूद ऐसी घटना होना गंभीर मामला है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बरामद अवशेषों को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, इलाके में पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल से कुछ दूरी पर सेक्टर-28 में 21 फरवरी को मुख्यमंत्री की प्रस्तावित सभा होनी है। ऐसे में इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चीनी रोबोट को अपना बताने पर समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने किया गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई उपलब्धि नहीं बल्कि एक बड़ा विवाद है। दिल्ली के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एक चीनी रोबोट को अपना बताकर पेश करने के मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। इस घटना को लेकर समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी के गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया है।

बता दे कि दिल्ली में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में विवाद तब शुरू हुआ चीन के बनाये रोबट यूनिट्री गो2 को गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे 'Orion' नाम दिया और इन-हाउस विकास का दावा किया। जबकि यह रोबट लगभग 2 से 3 लाख रुपये में ऑनलाइन उपलब्ध है। यूनिवर्सिटी की एक प्रोफेसर का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह दावा कर रही थीं कि यह रोबोटिक डॉग यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विकसित किया गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने तुरंत पहचान लिया कि यह असल में चीन का 'Unitree Gow' रोबोट है। इसी मुद्दे को लेकर समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मेक इन इंडिया के नाम पर चीन के उत्पाद को अपना बताना शर्मनाक है और इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किरकिरी हुई है।

भारत सरकार के निर्देश पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी का स्टॉल समिट से हटा दिया गया है।

मामला बढ़ने पर यूनिवर्सिटी ने माफी मांगते हुए इसे भ्रम करार दिया और अपनी प्रोफेसर को सही जानकारी नही होने की बात कह कर पल्ला झाड़ लिया। हालांकि, सपा और अन्य विपक्षी दलों ने इसे एक बड़ा भ्रष्टाचार और शिक्षा के नाम पर धोखा बताया है। पुलिस ने प्रदर्शन को देखते हुए यूनिवर्सिटी कैंपस के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सगाई समारोह में हर्ष फायरिंग

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र में एक सगाई समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग की घटना सामने आई है। फायरिंग में समारोह में काम कर रहे 18 वर्षीय वेटर को गोली लग गई। घायल युवक को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, निजी अस्पताल से सूचना मिली थी कि पुष्पेंद्र नामक युवक को गोली लगी है। वह देव विहार कॉलोनी, गाजियाबाद का निवासी है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि घटना ग्राम बिसरख स्थित अंकित भाटी के घर पर चल रहे सगाई समारोह के दौरान हुई। पुष्पेंद्र समारोह में वेटर का कार्य कर रहा था। बताया गया है कि सगाई समारोह में कुछ युवक शराब पी रहे थे और तस्वीरें खिंचवा रहे थे। उन्होंने कई बार वेटर पुष्पेंद्र से फोटो खींचने के लिए कहा। जब पुष्पेंद्र आगे नहीं आया, तो कथित तौर पर जोश में आकर फायरिंग की गई, जिससे उसे गोली लग गई और वह वहीं गिर गया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में जलापूर्ति 24 घंटे बाधित रही

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ला रेजीडेंशिया सोसायटी में पाइपलाइन फटने से 29 टावरों में पानी की आपूर्ति ठप हो गई। सोसायटी के लगभग 2200 परिवारों के 7 हजार निवासी करीब 24 घंटे तक पानी की किल्लत से जूझते रहे।

निवासियों ने बताया, मंगलवार (17 फरवरी) रात करीब 11 बजे सोसायटी की मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइन फट गई थी। बुधवार सुबह पानी न आने से दैनिक कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ।

ऑफिस और स्कूल जाने की तैयारी कर रहे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पानी की कमी के कारण कई परिवारों को नहाने, कपड़े धोने और खाना बनाने के लिए पानी बचाकर इस्तेमाल करना पड़ा। सोसायटी में पानी खत्म होने के बाद कई निवासियों ने पास की दुकानों से बोतल बंद पानी खरीदा, जिससे उन्हें अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ा। सोसायटी निवासी सुमित जलोटा ने बताया कि सूचना के बावजूद जल आपूर्ति बहाल करने में देरी हुई। दीपांकर ने कहा कि पहले भी कई बार पानी की आपूर्ति बाधित हो चुकी है, लेकिन बिल्डर या मेंटेनेंस विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

बुधवार (18 फरवरी) रात करीब 11 बजे जलापूर्ति आंशिक रूप से बहाल हो पाई और देर रात 12 बजे तक स्थिति सामान्य हुई।

हालांकि, कई निवासियों को निजी टैंकर मंगवाकर बाल्टियों से अपने फ्लैट तक पानी ढोना पड़ा, जिससे महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानी हुई।

निवासियों ने इस बात पर भी रोष व्यक्त किया कि करोड़ों रुपए का फ्लैट खरीदने और मोटा मेंटेनेंस चार्ज देने के बावजूद उन्हें झुग्गियों की तरह पानी ढोना पड़ रहा है।

नोएडा एटीएस ने पंजाब से खालिस्तानी आंतकी को किया गिरफ्तार

अवैध हथियार रखने के जुर्म में पकड़ा गया, जमानत मिलने के बाद फरार

नोएडा। नोएडा पुलिस और एटीएस ने पंजाब से खालिस्तानी आतंकी को गिरफ्तार किया है। वह प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) का सक्रिय सदस्य था।

उसे अवैध हथियार रखने के जुर्म में 1993 में पकड़ा गया था। बाद में उसे गौतमबुद्धनगर कोर्ट में पेश किया था। जहां से उसे जमानत मिल गई थी। उसके बाद से वह फरार चल रहा था।

उसे बुधवार को खरड़ से गिरफ्तार करने के बाद पंजाब की कोर्ट में पेश किया गया।

वहां से नोएडा पुलिस ने उसकी ट्रांजिट रिमांड मांगी। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद उसे नोएडा लाया गया। यहां कोर्ट में करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक- सुखविंदर सिंह ढिल्लो (63) पंजाब के कपूरथला का रहने वाला है। उसे जुआ खेलने का शौक है। 18 अप्रैल 1993 को गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के सेक्टर-20 से एके 56 और 121 कारतूस के साथ पकड़ा गया था। करीब आठ माह बाद 9 दिसंबर 1993 में गौतमबुद्धनगर कोर्ट ने सुखविंदर सिंह को जमानत दे दी थी। 16 अगस्त 1995 को वह फरार हो गया था। कोर्ट ने उसे गिरफ्तार करने के लिए गैर जमानती वारंटी भी जारी किया गया था।

अब जानिए सुखविंदर सिंह की क्राइम हिस्ट्री

सुखविंदर सिंह के खिलाफ पंजाब के कपूरथला में 10 मार्च 1983 को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने का पहला मुकदमा दर्ज हुआ था।
इसके बाद 1987 में कपूरथला की सिटी कोतवाली में दो बार जुआ खेलने के मामले में मुकदमे दर्ज हुए।
6 जनवरी 1984 को पंजाब के जालंधर के थाना नंबर-4 में युवक की हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ।
23 जून 1984 को कपूरथला में अवैध हथियार रखने की एफआईआर हुई।
10 जुलाई 1985 को पंजाब के फगवाड़ा में हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ।
19 मई 1992 में कपूरथला की सिटी कोतवाली में हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ।

पंजाब के खरड़ में छिपा हुआ था

एटीएस की नोएडा यूनिट को सूचना मिली कि आतंकी सुखविंदर सिंह ढिल्लो कपूरथला स्थित अपने मूल पते पर नहीं रह रहा है। वह पंजाब के साहिबजादा अजीत सिंह नगर (एसएएस नगर) जिले के खरड़ में छिपा हुआ है। एटीएस की नोएडा यूनिट और गौतमबुद्धनगर पुलिस ने बुधवार को खरड़ में छापा उसे गिरफ्तार कर लिया।

108 एंबुलेंस के स्टाफ की सूझबूझ से जान बची

नोएडा। नोएडा की सेक्टर 63 थाना के चोटपुर कालोनी से 108 एम्बुलेंस सेवा को एक आपातकालीन कॉल आई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस निर्धारित समय में मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल चिकित्सीय सहायता देकर उसकी जान बचाई। 27 साल का अंशुल पुत्र संजय घायल अवस्था में पाए गए। स्थिति को गंभीर मानते हुए एम्बुलेंस की मेडिकल टीम ने बिना देरी किए प्राथमिक उपचार शुरू किया। ERCP डॉक्टर डॉ. प्रेमचंद के निर्देशानुसार EMT जगपाल ने बूट केयर ड्रेसिंग के जरिए ब्लड को बहने से रोका। इसके बाद मरीज को स्थिर करने के लिए डाइक्लोरान इंजेक्शन दिया गया। पूरे उपचार के दौरान मेडिकल टीम ने मरीज के वाइटल्स की लगातार मॉनिटरिंग की, जिससे स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए रखी जा सके।

युवक के मर्डर मामले में पत्नी समेत चार गिरफ्तार

नोएडा में नशे में पति मारपीट करता, 15 फरवरी को पत्नी ने हत्या कराकर लाश फिंकवाई

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में दादरी पुलिस ने युवक की हत्या के मामले में पत्नी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पत्नी ने बताया- पति शराब पीकर मारपीट करता था। परेशान होकर उसने उसे रास्ते से हटाने का मन बनाया। उसने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या की प्लानिंग की। उसने 15 फरवरी को प्रेमी और उसके दोस्त की मदद से पति की हत्या करा दी। उसके बाद लाश को फेंक दिया। 16 फरवरी को उसकी लाश मिली थी।

अब विस्तार से पढ़िए पूरा मामला

एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया- 16 फरवरी को दादरी थाना क्षेत्र की शिव वाटिका के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मृतक की पहचान ग्राम घोड़ी बछेड़ा निवासी गोविंद रावल के रूप में हुई। मृतक के भाई की तहरीर पर दादरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया और जांच के लिए चार टीमें गठित की गईं।

पुलिस ने गुरुवार सुबह घोड़ी निवासी रोहित रावल और दादरी निवासी नफीस को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में नफीस घायल हो गया। इस मामले में दो अन्य आरोपी धर्मेंद्र और मृतक की पत्नी प्रीति को भी गिरफ्तार किया गया है।

चाकू से गोदकर हत्या

पूछताछ के दौरान रोहित ने बताया कि गोविंद अपनी पत्नी प्रीति से शराब पीकर अक्सर मारपीट करता था। रोहित ने पुलिस को बताया कि वह और प्रीति पिछले करीब दो साल से प्रेम संबंध में थे। प्रीति अपने पति गोविंद की मारपीट से बहुत परेशान थी और उसने रोहित से गोविंद को रास्ते से हटाने के लिए कहा था।

योजना के अनुसार, 12 फरवरी को रोहित, गोविंद को अपने दोस्त धर्मेंद्र के साथ बुलाकर ले गया। उन्होंने दादरी से अपने एक अन्य दोस्त नफीस को चाकू लेकर बुलाया। सभी ने एक साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद, एक खाली प्लॉट में गोविंद को अधिक नशे में करके उस पर चाकू से कई वार किए गए, जिससे उसकी मौत हो गई।

आरोपियों ने शव को बाउंड्री के किनारे फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त हथियार (आलाकत्ल) और अन्य संबंधित सामान बरामद किया गया है।

औरैया : कार नहर में गिरी, कारोबारी, पत्नी और बेटे की मौत

औरैया में रात भर गाड़ी पड़ी रही, सुबह टायर दिखा, शादी के फंक्शन से लौट रहे थे

औरैया। औरैया में बेकाबू कार 20 फीट गहरी नहर में गिर गई। हादसे में कारोबारी, उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई। पूरा परिवार रिश्तेदार की बेटी की शादी के फंक्शन में शामिल होकर इटावा से औरैया आ रहा था।

बुधवार देर रात रिनॉल्ट कार से घर लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। रातभर परिवार गाड़ी समेत नहर में पड़ा रहा। आसपास के लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। गुरुवार सुबह 7 बजे राहगीरों ने नहर में कार का टायर देखा।

शक होने पर आसपास के लोगों को बुलाया। फिर पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में पुलिस ट्रैक्टर और जेसीबी लेकर पहुंची। ग्रामीणों ने नहर में उतरकर कार में रस्सी बांधी। इसके बाद ट्रैक्टर और जेसीबी की मदद से कार को खींचकर बाहर निकाला गया।

कार के दरवाजे लॉक थे। शीशा तोड़ा गया, तो अंदर से तीन शव मिले। पुलिस को गाड़ी में एक फोन मिला। भीगने के चलते मोबाइल काम नहीं कर रहा था, इसलिए सिम निकालकर उसमें सेव नंबर पर कॉल की गई।

फोन शाहजहांपुर के कारोबारी को मिला। उन्होंने बताया कि यह नंबर किसका है। इसके आधार पर परिवार की शिनाख्त हुई। हादसा जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर अछल्दा थाना क्षेत्र में हुआ।

कार लॉक हुई, परिवार को चिल्लाने तक मौका नहीं मिला

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान कारोबारी राजीव कुमार पोरवाल (60), उनकी पत्नी मधु गुप्ता (55) और बेटे शुभम (27) के रूप में हुई है। परिवार इटावा के भरथना थाना क्षेत्र का रहने वाला था। राजीव दाल और डालडा का व्यापार करते थे।

मृतक राजीव के दो बेटी, दो बेटे थे। एक बेटे और एक बेटी सोनाली की शादी हो चुकी है। दूसरी बेटी मोहिनी दिल्ली में एमबीबीएस कर रही है। बड़ा बेटा सूर्य मोहन नोएडा में व्यापार करता है। राजीव कुमार 4 भाई थे। जिसमें प्रदीप कुमार, किशन कुमार और साजन कुमार इटावा में व्यापार करते हैं।

प्रसव पीड़ा बर्दाश्त नहीं हुई तो चाकू से पेट फाड़ा

बहराइच। बहराइच में एक प्रेग्नेंट महिला प्रसव पीड़ा बर्दाश्त नहीं कर पाई, तो उसने खुद ही ब्लेड से अपना पेट फाड़ डाला। इससे उसकी अंतड़ियां तक बाहर आ गईं। बाद में दर्द की वजह से महिला चीखने-चिल्लाने लगी, तो पड़ोसी मौके पर पहुंचे। देखा तो महिला खून से लथपथ तड़प रही थी। लोग उसे एंबुलेंस से फखरपुर सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां महिला की नॉर्मल डिलीवरी कराई गई। महिला ने बच्ची को जन्म दिया। लेकिन, हालत गंभीर होने की वजह से महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां भी उसकी हालत में सुधार नहीं होने पर लखनऊ भेजा गया। मामला बौंडी थाना क्षेत्र का है। नंदवल गांव में ननकई (35) रहती है। उसके पति की बीमारी के चलते 6 महीने पहले मौत हो गई थी। परिवार में बड़ा बेटा निवास (16), दीवान (12), रवि (8), और रोहन (5) हैं। बच्चे गांव में खेलने गए थे। घटना के समय वो घर पर अकेली थी। गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे ननकई को अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी।

पीलीभीत में मखदूम खां की गिरफ्तारी पर सियासी पारा चढ़ा

पीलीभीत। पीलीभीत में समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष मखदूम खां की गिरफ्तारी ने स्थानीय राजनीति को गरमा दिया है। मामला अब सिर्फ एक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह राजनीतिक संग्राम का रूप ले चुका है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने इस पूरे प्रकरण को गंभीर बताते हुए मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर कठोर कार्रवाई की मांग की है। संगठन का आरोप है कि अमरिया क्षेत्र में संचालित एक ईंट भट्ठे पर मजदूरों के साथ मारपीट और उत्पीड़न हुआ। साथ ही यह भी दावा किया गया कि मजदूरों को बंधक बनाकर रखा गया। महासभा का कहना है कि केवल धारा 151 की कार्रवाई से पीड़ितों में भरोसा नहीं जगेगा, इसलिए संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज होना चाहिए। महासभा नेता पंकज शर्मा ने आरोप लगाया कि कुछ भट्ठे नियम-कानूनों को दरकिनार कर चलाए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार की 'जीरो

टॉलरेंस' नीति का हवाला देते हुए कहा कि यदि निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाएगा। दूसरी ओर सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह 'जग्गा' ने इसे राजनीतिक द्वेष से प्रेरित कार्रवाई बताया है।

उनका कहना है कि यह सब विपक्षी नेताओं को दबाव में लेने की रणनीति का हिस्सा है। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीर तिवारी द्वारा मामले को हाईकोर्ट तक ले जाने की तैयारी ने विवाद को कानूनी मोड़ भी दे दिया है। फिलहाल यह मामला 'कानून बनाम राजनीति' की बहस में बदल चुका है।

जीआरपी थाने में फायर फाइटिंग प्रशिक्षण, आपात स्थिति से निपटने की दी गई जानकारी

पीलीभीत। जनपद के Government Railway Police (जीआरपी) थाना पीलीभीत में अग्नि सुरक्षा को लेकर विशेष फायर फाइटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को आग लगने की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करना रहा।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन फायर स्टेशन पीलीभीत के प्रभारी उप निरीक्षक आबिद अली ने किया। उन्होंने उपस्थित पुलिसकर्मियों को आग लगने के विभिन्न कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा प्राथमिक स्तर पर आग बुझाने की तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया, जिससे कर्मियों को उपकरणों के सही उपयोग की समझ मिल सके। थाना अध्यक्ष जीआरपी पीलीभीत अभिषेक कुमार पांडे ने बताया कि रेलवे परिसरों में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। किसी भी आपात स्थिति में पुलिसकर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया से जनहानि और संपत्ति के नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने सभी कर्मियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और सीखी गई तकनीकों का व्यवहारिक जीवन में पालन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उप निरीक्षक ओम कुमार, हेड कांस्टेबल रवि कुमार, हेड कांस्टेबल मंगल सिंह, कांस्टेबल सचिन कुमार, कांस्टेबल विवेक प्रताप, विकास, टेबल पवन कुमार सहित अन्य समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के अंत में फायर सेफ्टी से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देशों की पुनरावृत्ति कर कर्मियों से सतर्कता और सजगता बनाए रखने की अपील की गई।

पीलीभीत में 1.01 करोड़ के संदिग्ध लेनदेन का मामला

डीआईओएस कार्यालय से जुड़ी धनराशि पत्नी के खाते में ट्रांसफर करने का आरोप, नामजद आरोपी अर्शी खातून गिरफ्तार

पीलीभीत। जनपद के शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन का मामला सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। डीआईओएस (जिला विद्यालय निरीक्षक) कार्यालय से जुड़ी 1.01 करोड़ रुपये की धनराशि के कथित गबन के मामले में कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार को नामजद आरोपी अर्शी खातून को गिरफ्तार कर लिया। वह फरार चल रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इल्हाम शम्सी की पत्नी है। पुलिस ने उसे मोहल्ला पंजाबियान स्थित उसके मायके से हिरासत में लिया।पुलिस के अनुसार आरोपी महिला से गहन पूछताछ की जा रही है और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। वहीं मुख्य आरोपी इल्हाम शम्सी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

बैंक जांच में खुला मामला, प्रशासन हरकत में

सूत्रों के अनुसार डीआईओएस कार्यालय से संबंधित 1.01 करोड़ रुपये की धनराशि संदिग्ध तरीके से निजी बैंक खाते में स्थानांतरित की गई। यह गड़बड़ी बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों की आंतरिक जांच में उजागर हुई। बैंक स्तर पर लेनदेन की पड़ताल के दौरान धनराशि का ट्रांसफर आरोपी कर्मचारी की पत्नी के खाते में होना पाया गया, जिसके बाद मामला प्रशासन के संज्ञान में आया।

प्रकरण उजागर होते ही जिलाधिकारी ने मामले की प्रारंभिक जांच के लिए एक टीम गठित की। जांच में प्रथम दृष्टया चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इल्हाम शम्सी की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार की ओर से कोतवाली में इल्हाम शम्सी और उसकी पत्नी अर्शी खातून के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

कोतवाल बोले पूछताछ जारी, जल्द होगी मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी

कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि महिला नामजद आरोपी है और उसे सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उससे लेनदेन, बैंक खातों और धनराशि के स्रोत को लेकर विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि खाते में आई रकम का उपयोग किन-किन मदों में किया गया।उन्होंने बताया कि फरार आरोपी इल्हाम शम्सी की तलाश में कई टीमें गठित की गई हैं। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और शीघ्र गिरफ्तारी का दावा किया गया है।

जांच के घेरे में आ सकते हैं अन्य अधिकारी व कर्मचारी

हालांकि फिलहाल कार्रवाई चपरासी और उसकी पत्नी तक सीमित है, लेकिन जांच के दौरान डीआईओएस कार्यालय के अन्य कर्मचारियों और बाबुओं की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। सूत्रों का कहना है कि इतनी बड़ी धनराशि के ट्रांसफर में विभागीय प्रक्रिया और वित्तीय निगरानी तंत्र की भी जांच होगी। इसके अलावा कोषागार विभाग के अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है। जिला प्रशासन ने पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेज दी है। साथ ही मंडलायुक्त को मंडलीय स्तर पर स्वतंत्र जांच कराने का प्रस्ताव भी प्रेषित किया गया है।

शिक्षा विभाग की साख पर सवाल

करोड़ों रुपये के इस संदिग्ध लेनदेन ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। जनपद में चर्चा है कि यदि प्रारंभिक जांच में ही इतनी बड़ी वित्तीय अनियमितता सामने आई है तो विस्तृत जांच में और भी चौंकाने वाले तथ्य उजागर हो सकते हैं। प्रशासनिक सूत्रों का मानना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ अन्य नामों पर भी कार्रवाई संभव है। फिलहाल पुलिस की प्राथमिकता मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी और धनराशि के वास्तविक प्रवाह का पता लगाना है। अब सबकी नजर पुलिस जांच और शासन स्तर पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली बनी काल, सड़क पार कर रहीं बुजुर्ग महिला की दर्दनाक मौत

गोला रोड पर स्टेट बैंक के पास हादसा, 20 मिनट तक चला जीवन बचाने का प्रयास

पीलीभीत। बिलसंडा कस्बे में गुरुवार को तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। गोला रोड स्थित स्टेट बैंक के पास सड़क पार कर रही 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने भरसक प्रयास के बावजूद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान लीलावती (60) पत्नी राम मूर्ति, निवासी गांव कटैया, कोतवाली क्षेत्र दियोरिया कलां के रूप में हुई है। वह अपनी बेटी और दामाद प्रकाश के घर बिलसंडा क्षेत्र के गांव कुर्रैया खुर्द आई हुई थीं। घटना के समय वह अपनी दूसरी बेटी रामबती के साथ कस्बे में मौजूद थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज गति से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए महिला को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े।

परिजन और राहगीर घायल लीलावती को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलसंडा लेकर पहुंचे। सीएचसी अधीक्षक डॉ. छत्रपाल सिंह ने बताया कि अस्पताल पहुंचते समय महिला की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। चिकित्सकों की टीम ने करीब 20 मिनट तक सीपीआर देकर उनकी सांसें लौटाने की कोशिश की, लेकिन कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष बिलसंडा सिद्धांत शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है।

शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कस्बे में तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती से नियंत्रण किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

बाइक सवार गड्ढे में गिरा, पीछे से ट्रक ने रौंदा

आगरा। आगरा में नगर निगम ने पानी की पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी थी। पाइप डालने के बाद सड़क पर कई गड्ढे हो गए हैं। गुरुवार को गड्ढे के कारण एक बाइक सवार फिसलकर गिर गया। गिरते ही वह ट्रक के पहिए के नीचे आ गया और कुचल गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक का पहिया ऊपर से गुजरने के कारण शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को निकालकर ट्रक के पहिए के नीचे से बाहर निकाला। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं, चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। यह घटना ट्रांस यमुना क्षेत्र के कालिंदी विहार का है। भाई के घर जाते समय ट्रक के नीचे आया युवक की पहचान जितेंद्र (25) पुत्र रामबाबू के रूप में हुई है।

महिलाओं को किया जागरूक

ललितपुर। माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

बहन ने खिलौना तोड़ा तो भाई ने किया सुसाइड

रायबरेली। रायबरेली में खिलौना टूटने पर 11 साल के बच्चे ने अपनी जान दे दी। भाई-बहन में खिलौने को लेकर लड़ाई हुई थी। गुस्से में बहन ने खिलौने को जमीन पर फेंक दिया, जिससे वो टूट गया था। भाई इससे नाराज होकर दूसरे कमरे में गया। वहां रस्सी से फंदा लगाकर लटक गया।

दो घंटे बाद भी बच्चा बाहर नहीं दिखा। परिवार वाले उसे खोजते हुए कमरे में पहुंचे। वहां देखा तो उसकी लाश फंदे से लटकी मिली। खबर मिलते ही गांव वालों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पूरा मामला कसरावा गांव का है। गांव के रहने वाले संतोष मेहनत मजदूरी करके अपना परिवार पालते हैं। घर में पत्नी सुशीला के अलावा 4 बच्चे हैं। जिनमें मोहिनी (17), मोहित (15), मुस्कान (14) हैं। जबकि मयंक (11) घर में सबसे छोटा था। मुस्कान गांव के प्राथमिक स्कूल में कक्षा 8, जबकि मयंक क्लास 7 में था। मुस्कान ने बताया - सुबह पापा ने हम लोगों से बाल्टी मांगी। उस समय मैं अपने भाई मयंक के साथ खेल रही थी।

पापा की बात न सुनकर वो खेलने में मस्त रहा। इस पर हम दोनों के बीच मारपीट हो गई। मयंक ने इसकी शिकायत मां से कर दी।

न्यायालय परिसर में चला सघन चेकिंग अभियान

ललितपुर। पुलिस ने न्यायालय की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। एसपी के निर्देशन मे गुरुवार को न्यायालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की, पहचान पत्रों की जांच की और वाहनों की सख्त तलाशी ली। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मा0 जिला एवं सत्र न्यायालय, ललितपुर परिसर में व्यापक एवं सघन चेकिंग की गई ।यह चेकिंग अभियान न्यायालय परिसर की संवेदनशीलता एवं सुरक्षा-व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए चलाया गया । क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के नेतृत्व में कोतवाली ललितपुर पुलिस, एंटी-सैबोटाज टीम एवं अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा समन्वित

रूप से निरीक्षण एवं चेकिंग की कार्यवाही की गई ।न्यायालय परिसर के समस्त प्रवेश एवं निकास द्वारों, प्रतीक्षालय व उसके आसपास के क्षेत्र, पार्किंग स्थल, वाहन स्टैण्ड तथा अन्य संवेदनशील स्थानों का गहन निरीक्षण किया गया। एंटी-सैबोटाज टीम द्वारा मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं की सूक्ष्म जांच की गई तथा आवश्यक उपकरणों के माध्यम से परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। चेकिंग के दौरान अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं अन्य आगंतुकों से समन्वय स्थापित करते हुए शांति एवं मर्यादा बनाए रखते हुए तलाशी की कार्यवाही संपादित की गई ।

अग्निशमन विभाग द्वारा अग्नि सुरक्षा उपकरणों, अग्निशमन यंत्रों एवं आपातकालीन निकास मार्गों का परीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा ड्यूटीरत पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण को सतत सतर्कता बनाए रखने, प्रत्येक आगंतुक की प्रभावी चेकिंग सुनिश्चित करने, संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित एवं विधिसम्मत कार्रवाई करने,आपसी समन्वय एवं संचार प्रणाली को सुदृढ़ रखने, के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।पुलिस अधीक्षक, ललितपुर द्वारा स्पष्ट किया गया कि न्यायालय परिसर की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु ऐसे सघन चेकिंग अभियान समय-समय पर संचालित किए जाते रहेंगे ।

शार्ट न्यूज

पुलिस ने एक बार फिर लौटाई मुस्कान, गुम हुए 3 मोबाइल फोन को उनके मालिकों को सौंपे

ललितपुर। जाखलौन पुलिस ने तीस हजार रुपये कीमत के गुम हुए तीन मोबाइल खोज उनके मालिकों को लौटाए हैं। गुम मोबाइल दोबारा से पाकर उनके चेहरे खिल उठे। कई मोबाइल धारकों को अपने मोबाइल फोन के दोबारा से मिल जाने का यकीन नहीं था। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार भारद्वाज के पर्यवेक्षण में थाना जाखलौन पर जनसुनवाई/पोर्टल पर गिरे / खोये हुए मोबाइल फोन के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्रों में नियमानुसार गुमशुदगी अंकित की गयी थी । थाना जाखलौन पुलिस टीम ने पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रपत्रों का अवलोकन कर त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करते हुये भारत सरकार द्वारा संचालित CEIR पोर्टल पर आवेदक के प्रपत्रों को अपलोड करके, विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से प्राप्त तकनीकी डेटा का अवलोकन व तकनीकी विश्लेषण कर प्राप्त जानकारी के आधार पर 03 गिरे हुए/खोये हुए मोबाइलों को बरामद कर उनके स्वामियों को नियमानुसार सुपुर्द किया गया ।

मारपीट व गाली गलौच के 6 अभियुक्तों को सजा

ललितपुर । पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा जनपद में चिन्हित अभियोगो में अपराधियों को शीघ्र अधिक से अधिक सजा दिलाये जाने हेतु प्रभावी पैरवी के लिये सम्बन्धित थाना प्रभारी व पैरोकारों को निर्देशित किया गया था ।इसी क्रम में अभियुक्तगण 01-गनेश अहिरवार पुत्र हरजू अहिरवार 02-तेजराम अहिरवार पुत्र गनेश अहिरवार 03-दीवान अहिरवार पुत्र गनेश अहिरवार 04-इन्द्रपाल सिंह उर्फ हल्काई पुत्र देव सिंह लोधी 05-राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू लोधी पुत्र देव सिंह लोधी 06-राघवेन्द्र सिंह पुत्र त्रिलोक सिंह उर्फ मुनी समस्त निवासीगण ग्राम करौंदा थाना महरौनी जनपद ललितपुर के विरूद्ध थाना महरौनी में मु0अ0सं0 03/2018 धारा 147/323/149/504/506/452 भादवि व 3(1)(द) ,3(1)ध एससी-एसटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत हुआ था । जिसमे डेडीकेटेड टीम गठित कर वैज्ञानिक व तथ्यपरक साक्ष्यों के आधार पर समयवद्ध व गुणवत्तापूर्ण विवेचना संपादित कर अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया था ।

लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर 19 फरवरी 2026 को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रह्लाद पटेल के नेतृत्व में कम्पनीबाग स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण धरनाङ्कप्रदर्शन किया यह विरोध प्रदर्शन 17 फरवरी 2026 को लखनऊ में हुए विधान सभा घेराव के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित कई नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में आयोजित किया गया। गांधी पार्क में सुबह 11: 00 बजे से दोपहर 2: 30 बजे तक चले इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रह्लाद पटेल ने कहा कि लाठीचार्ज लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है और कांग्रेस इसके खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान राजेन्द्र गुप्ता, रामपाल शाक्य, मोहन चन्द्र उप्रेती, प्रेम कुमार वर्मा, कृष्ण किशोर मिश्रा, ललित बाल्मीकि, जमीला खीरी, अब्दुल रहीम, संजय गोस्वामी, लतीफ आज़म अंसारी, अखिल खान, देवेंद्र कुमार, पंकज दीक्षित, अनन्तराम गौतम, रामजीवन एडवोकेट, रवि तिवारी, गुलफाम अहमद, वीरेंद्र कुमार क्षयप सहित कई कांग्रेसीजन उपस्थित रहे।

बहू ने शारीरिक संबंध नहीं बनाए तो मार डाला

शामली। यूपी के शामली में शारीरिक संबंध नहीं बनाने पर एक महिला की उसके ससुर ने हत्या कर दी। इसके बाद सबूत मिटाने में पति ने भी अपने पिता का साथ दिया। मौके पर पहुंची पुलिस को चारपाई पर महिला का शव मिला था। 11 फरवरी को हुई हत्या में गुरुवार (आज) को पुलिस ने ससुर और पति को गिरफ्तार कर लिया। पहले तो दोनों पुलिस को गुमराह करते रहे। लेकिन, जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, तो दोनों ने अपना जुर्म कबूल लिया। मामला कोतवाली क्षेत्र का है। खुरगान गांव में अब्बास (58) रहता है। 2 साल पहले उसके बेटे सलमान (28) की शादी कैराना की रहने वाली मुशकरा (25) से हुई थी। दोनों का 3 महीने का एक बेटा अदनान भी है। सलमान 6 महीने पहले पंजाब कमाने चला गया था। इसके बाद से घर पर पत्नी मुशकरा, बेटा अदनान और पिता अब्बास ही रहते थे। 11 फरवरी की रात अब्बास अपनी बहू मुशकरा के कमरे में घुस गया। उसने बहू को पकड़ लिया और जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। जब मुशकरा ने विरोध किया, तो अब्बास ने उसका गला दबा दिया। इससे मुशकरा की मौत हो गई।

पत्नी को कुल्हाड़ी से काट डाला, खेत में दफनाया

कासगंज। कासगंज में पति ने कुल्हाड़ी से काट कर पत्नी की हत्या कर दी। उसकी लाश को खेत में दफना दिया। पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी करीब 11 महीने से फरार था। महिला की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि पत्नी इंस्टाग्राम पर अपने दोस्त से बात करती थी। इस बात को लेकर दोनों का झगड़ा हो गया। उसने गुस्से में आकर कुल्हाड़ी से पत्नी की गर्दन पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला के ससुराल वालों ने मायकेवालों से कहा कि पति-पत्नी काम के सिलसिले में बाहर गए हैं। 11 महीने तक महिला के परिजनों को गुमराह करते रहे। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने खेत से महिला का कंकाल निकाला गया है। घटना सिकंदरपुर थाना क्षेत्र की है। गंगपुर में रविंद्र अपने परिवार के साथ रहता है। परिवार में मां राजबेटी, पिता छोटेलाल, बड़ा भाई राजेश और छोटे भाई अवनीश, मंजेश भाई और राकेश हैं। 14 दिसंबर, 2024 रविंद्र की शादी फर्रुखाबाद के कायमगंज की रहने वाली प्रियंका से हुई।

विवाहिता का शव पेड़ से लटका मिला

सीतापुर। सीतापुर के कोतवाली देहात क्षेत्र में गुरुवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां क्षेत्र के मोहद्दीनपुर गांव के बाहर स्थित सुधीर के खेत में पेड़ से 21 वर्षीय विवाहिता का शव साड़ी से बंधा हुआ झूलता मिला। मृतका की पहचान गांव निवासी सूरज की पत्नी मैना के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया, वहीं मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और बारीकी से जांच-पड़ताल कर आवश्यक नमूने एकत्र किए। शव जिस स्थिति में मिला, उसे देखते हुए पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है हालांकि पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों की गहन जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। पुलिस ने परिजनों से भी पूछताछ की और पारिवारिक हालात के बारे में जानकारी ली।

फर्रुखाबाद में बेटे ने पिता की हत्या की

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद के जहानगंज थाना क्षेत्र में 13 फरवरी को सुबह खेत में किसान सुनील कुमार का शव पाया गया। मृतक आलू खोदते समय सिर पर गंभीर चोटें आने से मौत हो गई थी। शुरुआत में मृतक के बेटे अमन कुमार ने अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की गहन विवेचना शुरू की और चौंकाने वाला सच सामने आया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि हत्या के पीछे कोई अजनबी नहीं बल्कि मृतक का बेटा ही था। अमन कुमार ने हत्या की वजह अपनी जमीन पर शक और शादी से जुड़ी असहमति बताई। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि आरोपी की निशानदेही पर काली नदी के जंगल से हत्या में प्रयुक्त डंडा बरामद किया गया। अमन कुमार ने बताया कि पिता खेत में आलू खोदते समय उसने पीछे से डंडा मारकर हत्या की। हत्या के बाद डंडा काली नदी के जंगल में फेंक दिया ताकि किसी को शक न हो।

संक्षिप्त समाचार

कोलोराडो हाइवे पर 30 से अधिक वाहनों की टक्कर, 4 लोगों की मौत

कोलोराडो, एजेंसी। अधिकारियों ने बताया कि कोलोराडो में मंगलवार को एक अंतरराज्यीय राजमार्ग पर धूल भरी आंधी के कारण चालकों को देखने में कठिनाई होने से छह सेमीट्रेलरों सहित 30 से अधिक वाहनों की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। कोलोराडो स्टेट पेट्रोल ने बताया कि तेज हवाओं से उड़ी धूल के कारण सुबह करीब 10 बजे प्यूब्लो के दक्षिण में इंटरस्टेट 25 पर हुए हादसे के समय स्थिति 'धुंधली' हो गई थी। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को 'बहुत कम या बिल्कुल भी दिखाई नहीं दे रहा था'। पुलिस ने बताया कि 29 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी चोटों की गंभीरता के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। दुर्घटना के कारणों की अभी भी जांच चल रही है। गश्ती दल की प्रवक्ता शेरी मेंडेज ने बताया कि कम दृश्यता को दुर्घटना के एक कारण के रूप में माना जाएगा, लेकिन अन्य कारण भी हो सकते हैं। मंगलवार को कोलोराडो के पूर्वी हिस्से में तेज हवाएं चल रही थीं, जो गर्म मौसम और अत्यधिक शुष्क परिस्थितियों के साथ मिलकर जंगल की आग के खतरे को भी बढ़ा रही हैं और डेनवर के हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी का कारण बन रही हैं।

अमेरिकी सेना ने कथित तौर पर ड्रग्स से भरी तीन नावों पर किए हमले, 11 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने लैटिन अमेरिकी जलक्षेत्र में ड्रग्स की तस्करी के आरोपी तीन नावों पर हमले किए, जिसमें 11 लोग मारे गए। यह ट्रंप प्रशासन के महीनों से चल रहे अभियान के सबसे घातक दिनों में से एक था। सोमवार को किए गए सिलसिलेवार हमलों के बाद मरने वालों की संख्या कम से कम 145 हो गई है, जब से प्रशासन ने सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों में उन लोगों को निशाना बनाना शुरू किया है जिन्हें वह नारकोटेररिस्ट कहता है। 42 ज्ञात हमलों पर सेना के अधिकांश बयानों की तरह, अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि उसने ज्ञात तस्करी मार्गों पर कथित मादक पदार्थों के तस्करों को निशाना बनाया। उसने कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर में चार-चार लोगों को ले जा रहे दो जहाजों पर हमला किया गया, जबकि कैरेबियन सागर में तीन लोगों को ले जा रहे एक तीसरे जहाज पर हमला किया गया। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि ये जहाज ड्रग्स की ढुलाई कर रहे थे, लेकिन उसने एक्स पर वीडियो पोस्ट किए जिनमें नौकाओं को नष्ट होते हुए दिखाया गया था।

एपस्टीन कनेक्शन : हयात होटल के चेयरमैन थॉमस प्रिट्ज़कर ने दिया इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग (यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस) की ओर से जारी नई फाइलों में दोषी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से करीबी संपर्क सामने आने के बाद अरबपति कारोबारी थॉमस प्रिट्जकर ने वैश्विक होटल श्रृंखला हयात होटल के चेयरमैन पद से हटने की घोषणा की है। प्रिट्ज़कर ने स्वीकार किया कि एपस्टीन से संपर्क बनाए रखना भयानक निर्णय था। बीबीसी के अनुसार, हाल में सार्वजनिक फाइलों से पता चला कि प्रिट्ज़कर 2008 में एपस्टीन के यौन अपराधों में दोष स्वीकार करने के बाद भी कई वर्ष उसके संपर्क में थे। प्रिट्ज़कर ने कहा कि उन्होंने एपस्टीन से दूरी बनाने में देर कर गंभीर गलती की। उन्होंने कहा, मेरी जिम्मेदारी हयात को सही दिशा में आगे बढ़ाने की है।

ब्रिटेन और भारत में एमपॉक्स की पहचान, दो अलग-अलग क्लेड से मिलकर बना वायरस

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन और भारत में एमपॉक्स वायरस के एक नए बदले हुए स्वरूप की पहचान हुई है, जिसे वैज्ञानिक रिकॉम्बिनेंट वायरस कह रहे हैं। यह नया रूप वायरस के दो अलग-अलग प्रकार क्लेड आईबी और क्लेड आईआईबी के आपस में मिल जाने से बना है। अब तक ऐसे दो ही मामले सामने आए हैं और दोनों मरीज स्वस्थ हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि फिलहाल आम जनता के लिए जोखिम कम है, हालांकि उच्च जोखिम समूहों में सतर्कता जरूरी बनी हुई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार यह एक संक्रामक बीमारी है, जो एमपॉक्स वायरस से होती है। एमपॉक्स वायरस के दो मुख्य क्लेड माने जाते हैं, क्लेड आई और क्लेड आईआई। क्लेड आई के भीतर आईए और आईबी उपसमूह आते हैं, जबकि क्लेड आईआई में आईआईए और आईआईबी शामिल हैं। हाल का वैश्विक प्रकोप मुख्य रूप से क्लेड आईआईबी से जुड़ा रहा है। अब जो नया रीकॉम्बिनेंट मामला सामने आया है, उसमें क्लेड आईबी और क्लेड आईआईबी दोनों के जीन पाए गए हैं। भारत में पाया गया यह केस दुनिया में इस नए रीकॉम्बिनेंट एमपॉक्स वायरस का सबसे शुरुआती ज्ञात मामला माना जा रहा है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 'तोहफे' में दिए उसी के तीन सैनिक, कई महीनों पहले किया था कैद

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसने पिछले साल अक्टूबर में सीमा पार लड़ाई के दौरान पकड़े गए तीन पाकिस्तानी सैनिकों को रिहा कर दिया है। यह कदम रमजान के पवित्र महीने के मद्देनजर उठाया गया है। सऊदी अरब की मध्यस्थता: अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता, जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में बताया कि इन सैनिकों को सोमवार को काबुल आए एक सऊदी प्रतिनिधिमंडल को सौंप दिया गया। यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कर रहा था।

गिरफ्तारी का समय: मुजाहिद के अनुसार, इन तीन सैनिकों को 12 अक्टूबर को हुई लड़ाई के दौरान बंदी बनाया गया था।

रिहाई का कारण: उन्होंने कहा कि सैनिकों को रिहा करने का निर्णय रमजान की शुरुआत को देखते हुए लिया गया है, जो इस्लाम में उपवास और आत्म-चिंतन का पवित्र महीना माना जाता है। अफगानिस्तान और उसके पड़ोसी पाकिस्तान के बीच पिछले साल अक्टूबर से ही तनाव काफी बढ़ा हुआ है। दोनों देशों के बीच तनाव की कहानी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच वर्तमान में जो तल्खी दिखाई दे रही है, उसकी जड़ें पिछले साल अक्टूबर की घटनाओं में छिपी हैं। भले ही अब 3 सैनिकों की रिहाई को एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है, लेकिन दोनों पड़ोसियों के बीच रिश्तों की डोर बेहद कमजोर हो चुकी है।

विवाद की चिंगारी: 9 अक्टूबर का काबुल धमाका : इस पूरे तनाव की शुरुआत 9 अक्टूबर को हुई, जब अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में कई जोरदार धमाके हुए। इन धमाकों ने पूरे शहर को दहला दिया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने तुरंत इन हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। अफगान सरकार ने न केवल पाकिस्तान पर आरोप लगाए, बल्कि इन हमलों का बदला लेने की कसम भी खाई।

बदले की आग और सीमा पर युद्ध : काबुल धमाकों के ठीक बाद, प्रतिशोध की भावना ने दोनों देशों की सीमाओं पर युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए। तालिबान के 'बदला लेने' के बयान के बाद सीमा पर भीषण गोलाबारी शुरू हो गई।

12 अक्टूबर का दिन: लड़ाई के दौरान 12 अक्टूबर का दिन सबसे महत्वपूर्ण रहा, जब अफगान बलों ने लड़ाई के दौरान तीन पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बना लिया (जिन्हें अब रिहा किया गया है)। यह संघर्ष इतना घातक था कि इसमें दोनों तरफ के दर्जनों सैनिक, आम नागरिक और संदिग्ध उग्रवादी मारे गए, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए।

हाल के वर्षों का सबसे भीषण संघर्ष : रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्टूबर में हुई यह लड़ाई पिछले कई वर्षों में दोनों पड़ोसियों के बीच हुई सबसे भीषण लड़ाई थी। इसने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों को रसातल में पहुंचा दिया।

शांति की कोशिशें और नाकामी जब हालात बेकाबू होने लगे, तो खाड़ी देशों ने हस्तक्षेप किया: कतर की मध्यस्थता: कतर ने दोनों देशों के बीच बीच-बचाव किया, जिसके बाद एक 'युद्धविराम' लागू हुआ। इससे सीमा पर तोपें तो शांत हो गईं, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ। इस्तांबुल वार्ता की विफलता: युद्धविराम के बाद, तुर्की के इस्तांबुल में शांति वार्ता आयोजित की गई ताकि कोई स्थाई समाधान निकल सके। लेकिन, यह बातचीत किसी ठोस समझौते या नतीजे पर नहीं पहुंच सकी।

वर्तमान राजनयिक स्थिति : हालात को सुधारने के लिए कतर की मध्यस्थता में एक युद्धविराम समझौता हुआ था, जिससे तनाव में कुछ कमी आई है। हालांकि, इस्तांबुल में हुई बाद की शांति वार्ता किसी ठोस समझौते पर पहुंचने में विफल रही, जिसके कारण दोनों देशों के संबंध अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। फिलहाल, इन तीन सैनिकों की रिहाई पर पाकिस्तान की ओर से कोई तत्काल टिप्पणी नहीं आई है।

अमेरिकी संसद भवन की तरफ हथियार लेकर दौड़ा 18 वर्ष का किशोर, सुरक्षाबलों ने किया गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद भवन (यूएस कैपिटल) की सुरक्षा में उस समय हलचल मच गई जब एक 18 वर्षीय युवक लोडेड शॉटगन के साथ इमारत की ओर बढ़ता हुआ पाया गया। यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल पुलिस (स्ट्क्क) ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया। त्वरित कार्रवाई के चलते घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जॉर्जिया के स्मिर्ना निवासी कार्टर कामाचो के रूप में हुई है। वह मंगलवार दोपहर कैपिटल के लोअर वेस्ट टेरेस की दिशा में हथियार लेकर जा रहा था, तभी ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों की नजर उस पर पड़ गई। अधिकारियों ने उसे रोकते हुए हथियार नीचे रखने और जमीन पर लेटने का आदेश दिया, जिसका उसने पालन किया और उसे बिना किसी प्रतिरोध के हिरासत में ले लिया गया। कैपिटल पुलिस प्रमुख माइकल सुलिवन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी कैपिटल की सीढ़ियों के आधार तक पहुंच गया था, इससे पहले कि उसे पकड़ा गया। मुठभेड़ के दौरान अधिकारियों ने एहतियातन अपने हथियार भी निकाल लिए थे।

आरोपी के पास से क्या-क्या हुआ बरामद : जांच में पता चला कि आरोपी एक सफेद मर्सिडीज-बेंज एसयूवी से मैरीलैंड एवेन्यू साउथवेस्ट के 100 ब्लॉक तक आया था और वहीं से शॉटगन लेकर बाहर निकला। वाहन से केव्लर हेलमेट, गैस मास्क और अतिरिक्त गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने यह भी बताया कि वाहन आरोपी के नाम पर पंजीकृत नहीं था। अधिकारियों के मुताबिक, संदिग्ध टैक्टिकल वेस्ट और टैक्टिकल ग्लव्स पहने हुए था और उसके पास कई राउंड गोलियां भी थीं। उसे गैरकानूनी गतिविधियों, बिना लाइसेंस राइफल रखने, अपंजीकृत हथियार और अपंजीकृत गोला-बारूद रखने जैसे आरोपों में चार्ज किया गया है। फिलहाल कैपिटल पुलिस की थ्रेट असेसमेंट यूनिट उसके मकसद की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और लोगों को उस क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नियमित सुरक्षा अभ्यास और एक्टिव थ्रेट ड्रिल्स की वजह से पुलिस की प्रतिक्रिया तेज और प्रभावी रही। वहीं, पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस घटना का आगामी स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन की सुरक्षा व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अमेरिका-ईरान बातचीत में तनाव, जेडी वेंस बोले- राष्ट्रपति ट्रंप की शर्तें मानने को तैयार नहीं तेहरान

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक बातचीत को लेकर ताजा बयान सामने आया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान अभी तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से तय की गई मुख्य शर्तों को मानने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि जिनेवा में हुई बातचीत 'कुछ मायनों में ठीक रही', क्योंकि दोनों देशों ने आगे भी बैठक जारी रखने पर सहमति जताई है। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि ईरान ने अब तक ट्रंप की प्रमुख शर्तों को स्वीकार नहीं किया है। उनके मुताबिक- राष्ट्रपति ट्रंप ने कूटनीतिक समाधान के लिए कुछ स्पष्ट शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में सबसे बड़ा मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। ईरान अभी इन शर्तों पर खुलकर सहमति देने को तैयार नहीं दिख रहा। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका अभी भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है। लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर बातचीत बेनतीजा रही, तो आगे क्या करना है- इसका फैसला राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे। उनका कहना था, 'हम चाहते हैं कि मामला बातचीत से सुलझे, लेकिन अगर कूटनीति की सीमा खत्म हो जाती है, तो अंतिम फैसला राष्ट्रपति का होगा।' अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंतित है। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु गतिविधियों पर कड़ी रोक लगाए। वहीं ईरान अपने अधिकारों और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देता रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर जिनेवा में बातचीत का दूसरा दौर खत्म हो गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला है। मंगलवार को हुई यह मुलाकात परमाणु मुद्दे पर दोनों देशों के बीच दूसरे दौर की बातचीत थी। जिनेवा में वार्ता व अभ्यास ऐसे समय हुए जब अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है।

अफगानिस्तान में घरेलू हिंसा को मिल गया कानूनी लाइसेंस

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में महिलाओं की दयनीय हालत छिपी नहीं है। 2021 में तालिबान के सत्ता संभालने के बाद से यहां महिलाओं के अधिकारों का लगातार दोहन हुआ है। तालिबानी हुकूमत ने देश में महिलाओं के पढ़ने, लिखने, बाहर जाने, यहां तक कि सार्वजनिक जगहों पर हंसने तक पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच अब अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को भी कानूनी लाइसेंस दे दिया गया है। तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने हाल ही में 90 पन्नों वाली नई दंड संहिता पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कानून महिलाओं के लिए सजा से कम नहीं है।

नए नियमों को आधिकारिक रूप से 'दे महाकुमु जजाई उसूलनामा' का नाम दिया गया है। तालिबान सरकार द्वारा पूरे देश में लागू किए जाने वाले इस कानून के तहत सजा की प्रकृति इस आधार पर तय की जाएगी कि पीड़ित व्यक्ति 'आजाद' है या 'गुलाम'। इस व्यवस्था में समाज को ऊंचे और निचले दर्जे में बांटने की बात कही गई है। ऊपरी श्रेणी में धार्मिक नेता और मुल्ला शामिल होंगे, जबकि निचली श्रेणी के लोगों पर शारीरिक दंड को अधिक स्वीकार्य माना गया है। इसमें महिलाओं को व्यवहारिक रूप से 'गुलाम' की श्रेणी में रखा गया है और पति को 'स्वामी' का दर्जा दिया गया है। नए नियमों के तहत गंभीर अपराधों की सुनवाई इस्लामी मौलवियों द्वारा की जाएगी। कम गंभीर मामलों में 'ताज़ीर' नाम की वैकल्पिक सजा लागू होगी, जिसके तहत पति अपनी पत्नी को दंड दे सकता है। हालांकि पत्नी पर शारीरिक हिंसा के मामलों में न्याय की स्पष्ट व्यवस्था नहीं दी गई है। अगर कोई महिला घरेलू हिंसा की शिकायत करना चाहती है, तो उसे धार्मिक जज के सामने गंभीर शारीरिक चोट का सबूत पेश करना होगा। साथ ही उसे पूरी तरह ढका हुआ पहनावा पहनना होगा और एक पुरुष संरक्षक की मौजूदगी जरूरी होगी, जो अधिकतर मामलों में उसका पति ही होता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अगर कोई महिला अपने साथ हुई गंभीर हिंसा साबित भी कर दे, तो आरोपी को न्यूनतम 15 दिन की जेल ही हो सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि इस कानून से महिलाओं के खिलाफ हिंसा बेलगाम हो सकती है। काबुल की एक महिला कानूनी सलाहकार ने टाइला न्यूज को बताया कि महिलाओं के लिए न्याय पाना अब बेहद लंबी और मुश्किल प्रक्रिया हो जाएगी। उन्होंने एक मामले का जिक्र किया, जिसमें एक महिला को जेल में बंद अपने पति से मिलने के दौरान बिना पुरुष संरक्षक के जाने पर पीटा गया। महिला ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वह इस प्रक्रिया से गुजरने से बेहतर मौत को समझती है।

वेस्ट बैंक में जमीन पर कब्जे की तैयारी में इजरायल

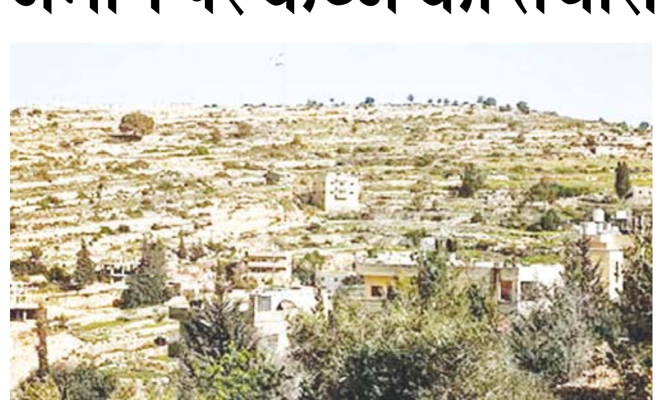

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल सरकार ने पश्चिमी तट में जमीन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने के हालिया फैसले की आठ मुस्लिम देशों द्वारा निंदा करने वाले संयुक्त बयान को बेबुनियाद और गुमराह करने वाला बताया है। मंगलवार को तुर्की, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने पश्चिमी तट में जमीन को सरकारी सम्पति घोषित करने और उनके पंजीकरण और मालिकाना हक के सेटलमेंट के लिए प्रक्रिया को मंजूरी देने के इजरायली सरकार के फैसले की निंदा की। मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा, 'यह बयान असल में बेबुनियाद और जानबूझकर गुमराह करने वाला है। फिलिस्तीनी अधिकारी ही क्षेत्र सी में गैर-कानूनी जमीन पंजीकरण प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे है, जो कानून और मौजूदा समझौतों का उल्लंघन है।' मंत्रालय ने बताया कि इजरायली सरकार ने सिविल और सम्पति कानून के तहत प्रशासनिक कदम को मंजूरी दी है। सऊद अरब के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह कदम कब्जे वाले इलाके में एक नई कानूनी और प्रशासनिक हकीकत को थोपता है, जिससे द्वि-राष्ट्र समाधान और फिलिस्तीनी अधिकार कमज़ोर होते हैं। मंत्रालय ने कहा कि फिलिस्तीनी जमीन पर इजरायल का कोई हक नहीं है। मंत्रालय ने इन कदमों को फिलिस्तीनी लोगों के चार जून, 1967 की सीमाओं पर एक आजाद देश बनाने के कानूनी हक पर हमला बताया, जिसकी राजधानी पूर्वी येरुशलम हो। उल्लेखनीय है कि इजरायली सरकार ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बड़े इलाकों को अपनी भूमि के तौर पर वर्गीकृत करने की योजना को मंजूरी दी, अगर फिलिस्तीनी मालिकाना हक साबित नहीं कर पाते। यह प्रस्ताव दक्षिणपंथी मंत्रियों बेज़ालेल स्मोट्रिच (वित्त), यारिव लेविन (न्याय), और इजरायल काट्ज (रक्षा) ने रखा था। स्मोट्रिच ने इस योजना को 'हमारी सभी जमीनों पर नियंत्रण करने के लिए समाधान क्रांति' का अगला कदम बताया, जबकि लेविन ने इसे इज़रायल के अपने सभी हिस्सों पर अपनी पकड़ मज़बूत करने की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन बताया। इस मंजूरी से ज़मीन के मालिकाना हक के समाधान की प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई हैं, जो 1967 में वेस्ट बैंक पर इजरायल के कब्जे के बाद से रुके हुए थे।

चीन बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान के साथ पारंपरिक दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए तैयार

बीजिंग, एजेंसी। तारिक रहमान के बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनने पर चीन एक्टिव हो गया है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने मंगलवार को बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को बधाई दी और कहा कि बीजिंग ढाका के साथ मिलकर बीआरआई प्रोजेक्ट्स समेत सभी सेक्टर में आपसी रिश्ते मजबूत करने के लिए तैयार है, ताकि उनके रिश्ते एक नए लेवल पर पहुंच सकें। ली ने रहमान को अपने मैसेज में कहा कि चीनी सरकार नई बांग्लादेशी सरकार के सुचारू एडमिनिस्ट्रेशन का सपोर्ट करती है, जिन्होंने आज दिन में शपथ ली थी।

उन्होंने कहा कि चीन बांग्लादेशी प्रधानमंत्री के साथ पारंपरिक दोस्ती को आगे बढ़ाने, हाई-क्वालिटी बेल्ट एंड रोड कोऑपरेशन को आगे बढ़ाने और सभी सेक्टर में लेन-देन और कोऑपरेशन को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। ली ने आगे कहा कि इससे चीन-बांग्लादेश कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप एक नए लेवल पर पहुंचेगी और दोनों देशों के लोगों को ज्यादा फायदे होंगे।

ली ने कहा कि चीन और बांग्लादेश के बीच दोस्ताना लेन-देन, एक-दूसरे का सम्मान करने और विन-विन सहयोग का लंबा इतिहास रहा है। 12 फरवरी को हुए 13वें पार्लियामेंट्री चुनाव में अपनी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत के बाद फॉरेन पॉलिसी पर अपनी पहली टिप्पणी में, रहमान ने कहा कि वह दूसरे देशों के साथ रिश्ते बनाने में बांग्लादेश के हितों को प्राथमिकता देंगे। रहमान के हवाले से कहा गया, 'बांग्लादेश और उसके लोगों के हित हमारी फॉरेन पॉलिसी तय करेंगे।

चीनी सरकारी मीडिया ने रहमान की इस बात को हाईलाइट किया कि चीन को लंबे समय से बांग्लादेश का एक महत्वपूर्ण डेवलपमेंट पार्टनर माना जाता है और उम्मीद जताई कि दोनों देश कॉमन डेवलपमेंट के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। भारत और पाकिस्तान के अलावा, चीन के प्रति रहमान की सरकार की पॉलिसी इसलिए भी अहम हो गई क्योंकि अंतरिम सरकार के चीफ मुहम्मद यूनुस, जिन्होंने शेख हसीना को हटाने के बाद अगस्त 2024 में सत्ता संभाली, ने चीन और पाकिस्तान के पक्ष में पॉलिसी अपनाने की कोशिश की, जिससे भारत के साथ ढाका के रिश्तों पर बुरा असर पड़ा।

ट्रम्प ने जापान के साथ ट्रेड डील के शुरूआत की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जापान के साथ एक निवेश समझौते के शुरूआत का एलान किया है। जापान ने अमेरिका में कुल 550 बिलियन डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जो ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के अंत तक, यानी जनवरी 2029 तक पूरा होगा। यह समझौता पिछले साल जुलाई में हुआ था, जिसमें जापान ने अमेरिका में निवेश करने के बदले अपनी कारों और अन्य सामानों पर लगने वाले अमेरिकी टैरिफ को कम करवाया था। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके बताया कि इस 550 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता के तहत पहली परियोजनाओं की शुरुआत हो गई है। इनमें तीन बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 36 बिलियन डॉलर है। पहली परियोजना जॉर्जिया राज्य में क्रिटिकल मिनरल्स की है, जहां सिंथेटिक डायमंड या अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन होगा, जो अमेरिका की विदेशी निर्भरता कम करने में मदद करेगा। दूसरी परियोजना टेक्सास राज्य में तेल और गैस की सुविधाओं की है, जिसमें गल्फ कोस्ट पर एक डीपवॉटर क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट सुविधा और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (स्न्ह्ल) प्रोजेक्ट शामिल हैं, जो अमेरिकी ऊर्जा निर्यात को बढ़ावा देंगे। तीसरी परियोजना ओहियो राज्य में पावर जेनरेशन प्लांट की है, जो एक बहुत बड़ा नेचुरल गैस पावर प्लांट होगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ये प्रोजेक्ट बहुत बड़े स्तर के हैं और इन्हें लागू करने में टैरिफ की अहम भूमिका रही है। उन्होंने इसे अमेरिका और जापान के लिए ऐतिहासिक समय बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिर से निर्माण कर रहा है, उत्पादन कर रहा है और जीत रहा है। पिछले हफ्ते वॉशिंगटन में जापान के उद्योग मंत्री रयोसी अकाजावा और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के बीच बैठक हुई थी, जहां पहले दौर के निवेश में तेजी लाने पर सहमति बनी। ये निवेश रणनीतिक क्षेत्रों जैसे क्रिटिकल मिनरल्स, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऊर्जा पर केंद्रित हैं, जो दोनों देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों को मजबूत करेंगे।

न्यूयॉर्क में चर्च में धमाका, फायरफाइटर समेत पांच लोग घायल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क के एक चर्च में एक जोरदार धमाका हुआ जिसमें एक फायरफाइटर समेत पांच लोग घायल हो गए। बिल्डिंग में गैस की गंध की रिपोर्ट मिली थी जिसके बाद अग्निशमन विभाग यहां आया था। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस धमाके के कारण की जांच कर रही थी, जो सिरैक्यूज़ से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में एक ग्रामीण इलाके में एबंडेंट लाइफ फेलोशिप चर्च में सुबह करीब 10 :30 बजे हुआ। पांच लोगों को इलाज के लिए लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया। दो की हालत गंभीर बताई गई, जिसमें एक फायरफाइटर भी शामिल है जो मौके पर पहुंचा था। पुलिस ने बताया कि बाकी तीन लोगों की चोटों का इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि धमाके से जुड़ी कोई क्रिमिनल एक्टिविटी का शुरुआती संकेत नहीं मिला, जिससे हवा में काले धुएं का घना गुबार फैल गया और चर्च को बहुत नुकसान हुआ। स्टेट ट्रूपर्स के अनुसार, चर्च को प्रोपेन सिलेंडर से गर्म किया जाता था।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्ध नगर
शुक्रवार 20 फरवरी 2026
Www.vishalindia.in

टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे की दूसरी बड़ी जीत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब श्रीलंका को हराया

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने ब्रायन बेनेट के नाबाद अर्धशतक की बदौलत आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 6 विकेट हराकर दूसरी बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। जिम्बाब्वे के स्पिनरों के खिलाफ धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई लेकिन टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में बृहस्पतिवार को मेजबान टीम ने 7 विकेट पर 178 रन बनाए। इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने सधी हुई बल्लेबाजी करते हुए सिकंदर रजा के नेतृत्व में जीत हासिल की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4.5 ओवर में 54 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

जिम्बाब्वे के स्पिनरों सिकंदर रजा, क्रेमर, रियान बर्ल और वेलिंगटन मसाकाजा ने मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। अगले चार ओवरों में सिर्फ 21 रन बने। इस बीच कुसल मेंडिस का विकेट भी गिरा जो 20 गेंदों में 14 रन ही बना सके। वहीं पिछले मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाने वाले निसांका ने 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह क्रेमर की गेंद पर रिवर्स स्वीप लगाने के प्रयास में टोनी मुनिनोगा को कैच दे बैठे। पवन रत्नायके ने 25 गेंद में 44 रन बनाये और ब्राड इवांस को 19वें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर श्रीलंका को 150 रन के पार पहुंचाया। आखिरी दो ओवरों में 30 रन बने।

टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे से हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका का पहला बयान आया सामने

कोलंबो (एजेंसी)। टी20 विश्व कप मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिए 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए। बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है।

श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा, 'हमारी शुरुआत काफी अच्छी रही और सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। (मैच में) कुछ जगहें ऐसी थीं जहां हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे, लेकिन कुल मिलाकर मैं आज का स्कोर यही मानूंगा। मैं पथुम (निसांका) और पवन (रत्नायक) के खेलने के तरीके से बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि इस पिच पर (बैटिंग के हिसाब से) यह एक अच्छा टोटल था। प्लान हमेशा की तरह सिंपल था (बॉल से)। शुरुआत में विकेट लेना। बदकिस्मती से हम बॉल से वैसी शुरुआत नहीं कर पाए। नए खिलाड़ियों के आने से थोड़ी मुश्किल होती है, उन्हें भी सेट होने के लिए कुछ समय चाहिए। लेकिन कोई बहाना नहीं। हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरे कुछ फैसले थोड़े गैंबल जैसे भी थे। यह उन दिनों में से एक था जहां हम बॉल से बेहतर कर सकते थे, लेकिन फिर से, कोई बहाना नहीं। क्वालिफिकेशन हमेशा अच्छा होता है, लेकिन हम जो भी मैच खेलते हैं, हम देश के लिए अच्छा करना चाहते हैं। हां, हमने आज चमीरा को आराम दिया, लेकिन जैसा मैंने कहा, कोई बहाना नहीं। हमने तीनों डिपार्टमेंट में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि हम और बेहतर कर सकते थे। मुझे लगता है कि हमें मैदान पर और ज्यादा कॉन्फिडेंट होने की जरूरत है। आज हममें इसी की कमी थी। उम्मीद है कि अगली बार जब हम मैदान पर उतरेंगे तो बेहतर एटीट्यूड के साथ वापस आएंगे।'

टी20 विश्व कप : होप और जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रनों से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। कप्तान शाई होप और तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम लीग मुकाबले में इटली को 42 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम ग्रुप सी में नंबर एक पर बनी हुई है। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए होप के 46 75 रनों की सहायता से 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 रन बनाये। आज के खेल का आकर्षण होप की पारी रही। होप ने तेजी से खेलते हुए 28 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया पर अन्य बल्लेबाजों का उन्हें साथ नहीं मिला, इस कारण टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शामार जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। इसके इसके अलावा चार कैच भी पकड़े। वहीं इस मैच के साथ ही इटली का अभियान इस टूर्नमेंट में समाप्त हो गया है। इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसन नहीं था। रोस्टन चेज 25 गेंद पर 24, शेरफेन रदरफोर्ड 15 गेंद पर नाबाद 24 रन और मैथ्यू फोर्डे आठ गेंद पर नाबाद 16 रन ही बना पाये। इटली के गेंदबाजों ने इंडीज बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। बेन मनेंटी और और कृशान कालुगामगे ने दो-दो विकेट लेकर बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केव ग्रांट स्टीवर्ट के ही एक ओवर में 19 रन बने। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन ही बना पायी। एंथनी मोस्का ने 19 रन बनाये। वहीं उनके भाई जस्टिन मोस्का 02 रन ही बना पाये। सैयद नकवी भी 6 रन ही बना पाये। जेजे स्मट्स ने 27 गेंद में 24 रन जबकि कप्तान हैरी मैनेंटी ने 8 रन बनाये। इटली की आधी टीम 78 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद बेन मैनेंटी ने इटली को 100 रनों तक पहुंचाया। वहीं ग्रांट स्टीवर्ट 12 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 में भारतीय टीम को हराया

1-1 से सीरीज बराबरी पर पहुंची

कैनबरा (एजेंसी)। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम को 19 रनों से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-1 से वापसी की है। ऑस्ट्रेलिय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉर्जिया वोल के अर्धशतक 88 रनों और बेथ मूनी के 46 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 163 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय बल्लेबाजी ढ़ह गयी। कप्तान हरमनप्रीत कौर 36, स्मृति मंधाना 31 और शेफाली वर्मा 29 के अलावा अन्य बल्लेबाज असफल रहीं।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू ने दो-दो विकेट लिए। । भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी और उसने नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन बना लिए थे पर इसके बाद टीम ने अंत में सात रन के अंदर ही छह विकेट खो दिये। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पावरप्ले में ही 54 रन बना लिए थे पर इसके बाद शेफाली के आउट होने से बल्लेबाजी ढ़हनी शुरु हो गयी। जेमिमा रोड्रिग्स भी 4 रन ही बना पायी। मंधाना के रूप में तीसरा विकेट गिरा। भारतीय टीम ने तीन विकेट पर 71 रन बना लिए थे। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत और ऋचा घोष 19 ने चौथे विकेट के लिए 55 रन बनाये। बाद में तेजी से रन बनाने के प्रयास में विकेट एक के बाद एक गिरते गये। हरमनप्रीत को 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर गार्थ ने पेवेलियन भेजा। इसके बाद ऋचा भी गार्डनर की गेंद पर स्टंप आउट हो गईं। 18वें ओवर में गार्डनर ने दीप्ति शर्मा को सदरलैंड के हाथों कैच कराया। इसके बाद भारतीय पारी सिमट गयी।

हरमनप्रीत सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनीं, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स का रिकार्ड टूटा

कैनबरा ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मैच के लिए मैदान में उतरते ही एक रिकार्ड बना दिया है।अब हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हरमनप्रीत ने यहां मैदान पर उतरने के साथ ही अपना 356 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला और वह न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स से आगे निकल गयी हैं।।बेट्स ने 355 मैच खेले हैं।वहीं सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी हैं।पेरी के नाम पर 349 मैच हैं।वहीं भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं, जबकि शार्लोट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं।महिला क्रिकेट में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में न्यूज़ीलैंड सोफी डिवाइन के नाम 305, इंग्लैंड की हीथर नाइट के नाम 303 और डैनी व्याट-हॉज के नाम 302 मैच हैं।हरमनप्रीत ने अपने क्रिकेट करियर में अब तक छह टेस्ट, 161 एकदिवसीय और 189 टी20 मैच खेले हैं।छह टेस्ट मैचों में उनके नाम 200 रन जबकि एकदिवसीय में 4,409 और टी20 मैचों में 3,784 रन हैं।हरमनप्रीत ने सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य के लिए आगे भी अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा।

बांग्लादेश के नये खेलमंत्री अमीनुल बोले, भारत और बीसीसीआई से बेहतर संबंध चाहते हैं

ढाका।बांग्लादेश सरकार के नये खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह भारत के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी बेहतर बनाना चाहता है।खेल मंत्री की शपथ लेने के बाद हक ने कहा कि वह बीसीसीआई से संबंधों को फिर से पहले की तरह बनाना चाहते हैं।साथ ही कहा कि हाल में कुछ मामलों को लेकर दोनो ही देशों के बीच दूरियां बढ़ी हैं।उन्होंने कहा, शपथ लेने के बाद मैंने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मुकाकात कर उनसे टी20 विश्व कप में भाग नहीं लेने के बाद के हालातों पर भी बात की जो सकारात्मक रही।मैंने उनसे कहा कि हम इस मामले को बातचीत से हल करना चाहते हैं। हम सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं।हक ने कहा, खेल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। कुछ बाधाओं के कारण, हम टी20 विश्व कप नहीं खेल सके।बातचीत के दौरान इस प्रकार के मामलों को हाल किया जाता तो आज हमारी टीम भी विश्वकप में खेल रही होती।गौरतलब है कि बांग्लादेश की पिछली सरकार ने सुरक्षा कारणों से भारत में टीम भेजने से इंकार करते हुए कहा था कि उनके मैच श्रीलंका में रखे जाएं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) ने ये प्रस्ताव ठुकरा दिया था।जिसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सरकार से बात करने के बाद खेल से बाहर होने का फैसला किया था।

सुपर-8 मुकाबलों के लिए करने होंगे सुधार : सूर्यकुमार

अहमदाबाद।भारतीय क्रिकेट टीम को नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम मुकाबले में 17 रनों से जीत मिली पर कप्तान सूर्यकुमार यादव इससे संतुष्ट नहीं हैं। सूर्यकुमार का कहना है कि सुपर-8 से पहले सब कुछ सही है ये नहीं कहा जा सकता।टीम को अभी कुछ सुधार भी करने हैं।इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए।वहीं इसके बाद एसोसिएट डच टीम ने भी सात विकेट पर 176 रन बनाये।इसी को देखते हुए कप्तान ने कहा कि जीत में भी सीख मिलती है, हमें और कसी गेंदबाजी करनी चाहिये थी।उन्होंने कहा कि पूरी तरह गेंदबाजों को भी दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि ओसा काफी अधिक थी।जिससे भी गेंदबाजों को परेशानी हुई।उन्होंने सुपर आठ को लेकर कहा, 'शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है पर सभी बल्लेबाजों के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनकी जिम्मेदारी क्या है और बीच के ओवरों में विकेट कैसा बर्ताव कर सकता है।इसके बाद हमारे पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल या वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी हैं, जो मैच को अच्छी तरह समाप्त कर सकते हैं।' सुपर-8 को लेकर पूछे एक सवाल पर उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं कह सकते कि सब कुछ पूरी तरह से सही था।जीत में भी कई प्रकार की सीख मिलती है और हमने कुछ चीजें सीखी हैं।अब हम आगे के मैचों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।'

'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है', दिग्गज खिलाड़ी ने की भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवम दुबे के बल्ले और गेंद दोनों से ऑल-राउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अहमदाबाद में नीदरलैंड्स को 17 रन से हराकर आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए में टॉप कर रहे। स्टार स्पोर्ट्स के 'क्रिकेट लाइव' प्रोग्राम में बोलते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने दुबे के बेहतर शॉट सिलेक्शन, वरुण चक्रवर्ती के अहम स्पेल की तारीफ की और टूर्नामेंट में अभिषेक शर्मा के खराब फॉर्म पर अपने विचार शेयर किए।

गावस्कर ने उस एक शॉट की ओर इशारा किया जो शिवम दुबे के खेल को दूसरे लेवल पर ले जा सकता है। उन्होंने कहा, 'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है क्योंकि उनके पास कई तरह के शॉट हैं। आप ऑफ स्टंप के बाहर बॉलिंग कर सकते हैं, लेकिन उनमें लॉन्ग ऑन के ऊपर से हिट करने की पावर भी है। वह सिर्फ मिड-विकेट और स्क्वायर-लेग के ऊपर से हिट करने की कोशिश नहीं करते। वह लॉन्ग ऑफ को भी क्लियर कर सकते हैं। अगर वह एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट डेवलप करने पर कड़ी मेहनत करते हैं, तो वह सच में एक खतरनाक बैट्समैन बन जाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'फिर वह बॉल को ग्राउंड के किसी भी हिस्से में हिट कर सकते हैं। जिस तरह से शिवम दुबे हर इनिंग के साथ मैच्योर हो रहे हैं, वह इंडिया के लिए बहुत अच्छी खबर है।' मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के शानदार रन पर उन्होंने कहा, 'वरुण चक्रवर्ती के चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लेना कमाल का है। जब आप विकेट लेते हैं, तो आप विरोधी टीम के रन भी छीन लेते हैं। साफ है, वरुण आपके की बॉलर होंगे। इंडिया काफी हद तक वरुण के 4 ओवर पर डिपेंड करेगा। सुपर 8 स्टेज में विरोधी टीम उनका मुकाबला कैसे करती है, यह देखना बहुत इंटरेस्टिंग होगा।'

सबसे छोटे फॉर्मेट के नंबर 1 बैटर अभिषेक शर्मा अभी तक टूर्नामेंट में अपना खाता नहीं खोल पाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तीन इनिंग्स में एक भी रन नहीं बनाया है। अभिषेक शर्मा के स्ट्रगल पर गावस्कर ने कहा, 'अभिषेक शर्मा एक अच्छा लड़का है, लेकिन उम्मीदें उस पर भारी पड़ रही हैं। अगर उसने USA के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती, तो बात अलग होती। अब बड़े छक्के मारने वाला और टॉप बैटर होने का प्रेशर दिख रहा है। अपनी शॉट रेंज के साथ उसे बीच में समय बिताने की जरूरत है। वह अपनी इनिंग्स की पहली बॉल पर बाउंड्री या सिक्स मारने की कोशिश नहीं कर सकता।'

उन्होंने कहा, 'अगर बड़े शॉट लगते हैं, तो ठीक है। लेकिन उसे खुद को लाइन के पार बड़े शॉट खेलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। एक सिंगल लो और रन बना लो। चार डॉट बॉल भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में उनकी भरपाई कर सकता है। उसे शुरुआत में स्मार्ट खेलने की जरूरत है। एक या दो ओवर जमने में बिताओ, फिर अपना नैचुरल गेम खेलो। पहले, बस रन बनाओ। हर बैटर पहला रन चाहता है। एक बार जब वह इसे बना लेगा, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

टी20 विश्वकप से शुरुआत में बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक दावेदारी को भी झटका

मुम्बई।आईसीसी टी20 विश्वकप से बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक की दावेदारी भी कमजोर पड़ी है।ओलंपिक में पुरुषों की टी20 प्रतियोगिता में केवल छह टीमों को ही अवसर मिलेगा।इसमें अंतिम चयन कॉन्टिनेंटल क्वालिफिकेशन सिस्टम व आईसीसी रैंकिंग के आधार पर होगा।विश्व कप से बाहर होने से वह रैंकिंग में न्यूज़ीलैंड से पिछड़ रही है।ऐसे में उसकी जगह कीवी टीम को मिल सकती है।ऐसे ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप स्तर से ही बाहर होने से न्यूज़ीलैंड नेशनल क्रिकेट टीम की राह आसान हो गयी है।ऐसे में अब अगर कीवी टीम सेमीफाइनल या उससे आगे तक पहुंचती है, तो रैंकिंग में वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर पहुंच जाएगी।इससे उससे ओलंपिक के लिए प्रवेश मिल सकता है।कीवी टीम का आईसीसी इवेंट्स में रिकॉर्ड अच्छा रहा है, वे कई बार नॉकआउट चरण तक पहुंचे हैं जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत होती है। ऐसे में यदि रैंकिंग में न्यूज़ीलैंड आगे निकल जाता है, तो कंगारुओं को को अंतिम ओलंपिक स्लॉट के लिए दूसरी रैंक वाली टीमों के साथ अलग क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट खेलना पड़ सकता है जो उसकी प्रतिष्ठा के लिए झटका होगा।इसके अलावा इस क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में अगर वह शीर्ष पर रहती है तो भी उसे ओलंपिक में प्रवेश मिलेगा इसकी गारंटी नहीं रहेगी।

तीन मैच पॉइंट बचा कर गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

दुबई।कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6(9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं।2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया। गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, 'पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है।यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की।मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।' गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं।वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं।गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें।यह ड्ड्ड लेवल पर उनके बीच पहली मुलाकात होगी।

अभिषेक पर भड़के प्रशंसक, बोले इससे तो अधिक रन सैमसन बना रहे थे

अहमदाबाद।भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का खराब दौर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है।अभिषेक टी20 विश्वकप में अपने तीसरे मैच में भी खाता नहीं खो पाये।इससे प्रशंसक उनपर भड़क गये हैं। प्रशंसकों का कहना है कि संजू सैमसन के भी उनसे अधिक रन हैं।सैमसन को अपनी खराब फार्म के कारण ही अभिषेक की वापसी के बाद बाहर किया किया गया है पर जिस प्रकार से अभिषेक रन बनाने में विफल हुए हैं। उससे ये बदलाव कारगर साबित नहीं हुआ है। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अभिषेक आक्रामक अंदाज में खेलेंगे पर जब तीसरे मुकाबले में भी ऐसा नहीं हुआ तो उनके सब्र का बांध टूट गया। जिस तूफानी बल्लेबाजी की उम्मीद प्रशंसकों को थी।वह अब भी नहीं दिखी।इसके बाद सोशल मीडिया पर अभिषेक की जमकर खिंचाई हुई। प्रशंसकों ने तंज कसा कि इससे तो अधिक रन सैमसन के हैं।वहीं कुछ प्रशंसकों का मानना है कि सुपर-8 के लिए सैमसन को टीम में शामिल किया जाना चाहिये।सैमसन को अभिषेक के बीमार होने के कारण एक मैच में अवसर मिला था।उस मुकाबले में सैमसन ने 22 रन बनाए थे।अभिषेक का यह पहला ही टी20 विव कप है और उनसे इस तरह के प्रदर्शन की प्रशंसकों को उम्मीद नहीं थी।वह पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ विफल रहे। वहीं बीमार होने के कारण नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल पाए।पाकिस्तान के खिलाफ उनसे बड़े स्कोर की उम्मीथ थी पर वह असफल रहे।नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भी उनका खाता नहीं हुआ।अब अगर वह सुपर-8 में रन नहीं बनाते तो टीम में उनकी जगह खतरे में आ जाएगी।

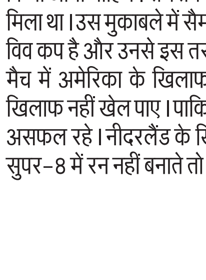

'बहुत शुक्रगुजार हूं', न्यूजीलैंड की लॉरेन डाउन ने संन्यास का किया ऐलान

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर लॉरेन डाउन ने गुरुवार को क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। 30 साल की बैटर ने 4 मार्च 2018 को लिंकन में वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे मैच में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 9 फरवरी 2020 को वेलिंगटन में साउथ अफ्रीका विमेन के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया था। उन्होंने अपना आखिरी ODI मैच 23 दिसंबर 2024 को वेलिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टी20आई में अपना आखिरी मैच 7 दिसंबर 2022 को क्वीन्सटाउन में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी एक बयान में डाउन ने कहा, 'मुझे व्हाइट फर्न्स ग्रुप का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, और मैं अपने देश को रिप्रेजेंट करने का मौका मिलने के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। मुझे लड़कियों के साथ रहना याद आएगा, लेकिन अब मैं साइडलाइन से देखने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह ग्रुप क्या हासिल कर पाता है।' लॉरेन डाउन ने 35 ODI और 31 इनिंग खेलीं जिसमें उन्होंने 62.06 के स्ट्राइक रेट से 486 रन बनाए। दाएं हाथ की बैट्समैन ने तीन हाफ-सेंचुरी लगाईं। टी20आई में 30 साल की इस खिलाड़ी ने 13 मैच और 9 इनिंग में 86.11 के स्ट्राइक रेट से 93 रन बनाए।

डाउन ने कहा, 'मेरे क्रिकेट करियर का एक बड़ा हिस्सा ऑकलैंड सेटअप में रहा है और मैं ऑकलैंड क्रिकेट, अपने कोच और टीम के साथियों को मेरे सफर में उनके रोल के लिए जितना धन्यवाद दूं कम है।' डाउन पांच सफल हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड कैंपेन का हिस्सा थीं जिसमें उन्होंने ऑकलैंड हार्ट्स को 2011-12, 2014-15, 2015-16, 2017-18 और हाल ही में 2019-20 में महिलाओं का 50 ओवर का टाइटल जीतने में मदद की, जहां उन्होंने हैमिल्टन के सेडन पार्क में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स को 67 रन से हराने में मदद करने के लिए ग्रैंड फाइनल में 90 रन बनाए।

डाउन ने अपने करियर का अंत हार्ट्स की तीसरी सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाली (1,496 रन) और चौथी सबसे ज्यादा लिस्ट, रन बनाने वाली (2,690 रन) खिलाड़ी के तौर पर भी किया और एक ऑलराउंडर के तौर पर अपने शुरुआती दिनों में 41 विकेट लिए। अंगूठे की चोट की वजह से डाउन न्यूजीलैंड में 2022 ICC विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप में नहीं खेल पाईं और उसी साल बाद में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी नहीं खेल पाईं, लेकिन सितंबर 2022 में वेस्ट इंडीज टूर के लिए टीम में वापस आ गईं और साउथ अफ्रीका में 2023 आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए बेन सॉयर की टीम में शामिल हो गईं।

डाउन ने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए 2023-24 सीजन के लिए व्हाइट फर्न्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर निकलने का ऑप्शन चुना, फिर 2024-25 लिस्ट में वापस आ गईं और 2024 में इंग्लैंड और भारत के टूर पर शामिल हुईं। उन्होंने पिछली गर्मियों में सेलो बेसिन रिजर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में व्हाइट फर्न्स को आखिरी बार रिप्रेजेंट किया।

महाराष्ट्र सरकार मुक्तेश्वर में धारावी पुनर्विकास के लिए 118 एकड़ भूमि सौंपेगी

मुंबई ।

महाराष्ट्र सरकार ने मलाड-मालवानी के मुक्तेश्वर में स्थित 118 एकड़ भूमि धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) को सौंप दी है। यह भूमि उन धारावी निवासियों के लिए आवंटित की जाएगी जो पुनर्वास के पात्र हैं लेकिन धारावी में ही रहते हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह मलाड की तीसरी सबसे बड़ी भूमि है, कुर्ला की मदर डेयरी और मुलुंड के जामास सॉल्टपैन के बाद। कुल 140 एकड़ भूमि में से 118 एकड़ सौंप दी गई है, जबकि 22 एकड़ अभी भी मुकदमेबाजी के अधीन हैं। परियोजना का कार्य स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एनएमडीपीएल) द्वारा किया जाएगा। भूमि का मालिकाना हक डीआरपी/एसआरए के पास रहेगा, जबकि एनएमडीपीएल को विकास अधिकार दिए जाएंगे। कुल भूमि का मूल्य लगभग 540 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें से 135 करोड़ रुपए पहले ही विकास अधिकार प्रीमियम के रूप में भुगतान किए जा चुके हैं। भूमि पर मुख्य रूप से ऊपरी मंजिल के निवासी और 1 जनवरी, 2011 के बाद और 15 नवंबर, 2022 से पहले धारावी में आने वाले लोग पुनर्वासित होंगे। इन निवासियों को मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में आधुनिक और सुनियोजित टाउनशिप में स्थानांतरित किया जाएगा। परियोजना के अनुसार चरणबद्ध पुनर्वास किया जाएगा, ताकि लगभग सात वर्षों के भीतर सभी पात्र निवासियों को नए घर मिल सकें। डीआरपी के तहत कुल 540 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जिसमें कुर्ला, कंजूर, भांडुप, मुलुंड के नमक के मैदान और देवनार डंपिंग ग्राउंड के हिस्से शामिल हैं। अनुमान है कि परियोजना के तहत लगभग 10 लाख धारावी निवासियों के पुनर्वास के लिए 1.25-1.5 लाख नए घर बनाए जाएंगे।

आरबीआई ने बैंकों को अधिग्रहण के लिए कर्ज देने की अनुमति दी

- नए नियम 1 अप्रैल से लागू होंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को अधिग्रहण के लिए कर्ज देने की अनुमति दी है, जो 1 अप्रैल से लागू होगी। यह क्षेत्र लंबे समय तक बैंकों के लिए बंद था, लेकिन अब कई सुरक्षा उपाय और शर्तों के साथ इसे खोला गया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि बड़े अधिग्रहणों (अरबों डॉलर वाले) के लिए बैंक ऋण नहीं देंगे। एक निजी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷कोई पहले दिन से दौड़ने के बारे में नहीं सोच रहा। बैंक छोटे अवसरों से शुरुआत करेंगे और इसे 10-15 साल के अवसर के रूप में देखेंगे। अगले 3-5 वर्षों में कोई भी बैंक बहुत साहसिक कदम नहीं उठाएगा।÷ सरकारी बैंकरों ने भी कहा कि नियमों के तहत अधिकांश बैंक धीरे-धीरे मध्यम और बड़ी कंपनियों के साथ शुरुआत करेंगे।

ऋण की शर्तें और सुरक्षा उपाय इस प्रकार हैं-

- अधिग्रहण के लिए बैंक ऋण की सीमा अब *टियर-1 पूंजी का 20 फीसदी तक।
- कर्ज-इक्विटी अनुपात 3¬1 से अधिक नहीं।
- कर्ज लेने वाली कंपनी का न्यूनतम नेटवर्थ 500 करोड़ रुपये।
- कंपनी को लगातार तीन वर्षों तक शुद्ध लाभ होना चाहिए।
- असूचीबद्ध कंपनियों के लिए निवेश ग्रेड रेटिंग अनिवार्य।
- अधिग्रहण मूल्य का अधिकतम 75 फीसदी तक कर्ज, शेष 25 फीसदी के लिए ब्रिज फाइनेंस का विकल्प।

सरकारी बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि नियम छोटे और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में अधिग्रहण को बढ़ावा देंगे। बैंकों को आंतरिक विशेषज्ञता विकसित करने और पहले कुछ सौदों में सावधानी रखने की आवश्यकता है।

सोने-चांदी की चमक से म्युचुअल फंड उद्योग में रिकॉर्ड बढ़त

म्युचुअल फंड निवेशकों की संख्या 18 महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । जनवरी में म्युचुअल फंड उद्योग में निवेशकों की संख्या में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। इस दौरान करीब 12 लाख नए निवेशक जुड़े, जिससे कुल फोलियो की संख्या बढ़कर 6.02 करोड़ हो गई। यह बढ़ोतरी पिछले 18 महीनों का उच्चतम स्तर है और वर्ष 2025 की औसत मासिक वृद्धि 5 लाख से दोगुने से भी अधिक है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस तेजी के पीछे सोने और चांदी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी मुख्य कारण रही। निवेशकों ने कीमती धातुओं से जुड़े एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) में बढ़-चढ़कर निवेश किया। जनवरी में गोल्ड ईटीएफ ने शुद्ध निवेश और फोलियो वृद्धि के मामले में सक्रिय इक्विटी योजनाओं को पीछे छोड़ दिया। कुल फोलियो वृद्धि में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का योगदान 55 प्रतिशत रहा।

इसके अलावा, कीमती धातुओं से जुड़े एफओएफ में 33,503 करोड़ रुपये का संयुक्त निवेश हुआ, जो सक्रिय इक्विटी योजनाओं के शुद्ध निवेश से 40 प्रतिशत अधिक था। बाजार के जानकारों का कहना है कि गोल्ड स्कीमें उद्योग के लिए नए निवेशकों को जोड़ने का बड़ा माध्यम बन सकती हैं। भारत में सोने की सांस्कृतिक स्वीकृति इसे एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की अस्थिरता के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश और बेहतर रिटर्न की उम्मीद ने मौजूदा और नए दोनों तरह के निवेशकों को आकर्षित किया है। आने वाले महीनों में भी यह रुझान जारी रहने की संभावना है।

आईपीओ लिस्टिंग लाभ में वित्त वर्ष 2025-26 में गिरावट

- सिर्फ 65 फीसदी ऑफर ही इश्यू प्राइस से ऊपर खुले

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 में आईपीओ निवेशकों के लिए शुरुआती लाभ कम रहा। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार, इस वित्त वर्ष में जारी 99 आईपीओ में केवल 65 फीसदी ने अपनी निर्गम कीमत से अधिक पर लिस्टिंग की। तुलना करें तो वित्त वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 82.1 फीसदी था, जबकि वित्त वर्ष 2019 में न्यूनतम 42.9 फीसदी दर्ज किया गया था। सूचीबद्ध कीमत और शुरुआती कीमत के बीच औसत वृद्धि वित्त वर्ष 2026 में 4.1 फीसदी रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 20.6 फीसदी थी।

पिछले सात वर्षों में अधिकांश वर्षों में दो अंकों में वृद्धि दर्ज की गई थी। कई आईपीओ में प्राइवेट इक्विटी फंड और अन्य संस्थागत निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेच रहे थे। इसके कारण लिस्टिंग पर मुनाफ़ा सीमित हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि शुरुआती निवेशकों की बिक्री कीमतें इतनी थीं कि निवेशकों के लिए लाभ कम बचा।

विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि सभी आईपीओ लाभदायक नहीं होंगे।

लिस्टिंग पर तुरंत मुनाफा कमाने की रणनीति इस वित्त वर्ष में पिछले वर्षों की तुलना में जोखिम भरी रही।

टाटा समूह एआई और चिप निर्माण में भारत में बनाएगा नई मिसाल

- टाटा समूह ने कहा, कंपनी पूरे तकनीकी स्टैक में कृत्रिम मेधा को अपनाने की प्रक्रिया में है

मुंबई । टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि कंपनी पूरे तकनीकी स्टैक में कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने की प्रक्रिया में है। समूह सिलिकॉन से लेकर सिस्टम, एआई-तैयार डेटा सेंटर, एप्लिकेशन और एआई एजेंट तक हर स्तर पर एआई तैयार कर रहा है। चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा समूह चिप और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। प्रत्येक उद्योग के लिए अलग चिप विकसित की जाएगी, जिसमें सबसे पहले मोटर वाहन क्षेत्र को प्राथमिकता दी जाएगी। इस पहल के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि की सराहना की। समूह भारत का पहला बड़े पैमाने का एआई-अनुकूलित डेटा सेंटर स्थापित कर रहा है, जिसे अगली पीढ़ी के प्रशिक्षण और इन्फरेंस के लिए तैयार किया गया है। ओपनएआई के साथ साझेदारी में 100 मेगावाट क्षमता के पहले चरण का निर्माण होगा, जिसे बाद में 1 गीगावाट तक बढ़ाया जाएगा। एएमडी के साथ सहयोग से वैश्विक मानकों के अनुरूप टिकाऊ एआई अवसंरचना विकसित होगी। समूह का एआई ढांचा विविध भारतीय डेटा संपत्तियों पर आधारित होगा, ताकि बुनियादी मॉडल के ऊपर भारतीय संदर्भों के अनुसार बुद्धिमत्ता उपलब्ध कराई जा सके। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और टाटा कम्युनिकेशंस मिलकर उद्योगों के लिए एआई ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित कर रहे हैं। हर उद्योग के लिए एजेंटिक समाधान तैयार किए जाएंगे और वैश्विक उद्यमों तक पहुंचाए जाएंगे।

विदेशी निवेशकों ने 15 दिन में निकाले 10,956 करोड़

मुंबई । फरवरी के पहले 15 दिनों में विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय आईटी शेयरों से 10,956 करोड़ रुपए की निकासी की। जनवरी 2026 में 5.34 लाख करोड़ रुपए थी, जो घटकर 4.49 लाख करोड़ रुपए हो गई, यानी दो हफ्तों में 16 फीसदी की गिरावट। निवेशकों को डर है कि जेनरेटिव एआई ऑटोमेशन और कोडिंग में दक्ष हो रहा है, जिससे पारंपरिक मैनपावर आधारित सेवाओं की मांग घट सकती है। दिग्गज कंपनियां इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी स र्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा इसी मॉडल पर निर्भर हैं। म्यूचुअल फंड्स का निवेश घटकर 3.04 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे लगभग 50,000 करोड़ रुपए की वैल्यू में कमी आई। एफआईआई ने कैपिटल गुड्स में 8,032 करोड़ रुपए फाइनेंशियल सर्विसेज में 6,175 करोड़ रुपए और मेटल व माइनिंग में 3,279 करोड़ रुपए का निवेश किया। निवेशक फिलहाल इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग को सुरक्षित मान रहे हैं।

डॉलर ने छीन लिया, जीएसटी कटौती का फायदा ?

महंगाई बढी-कर्ज बढा मांग घटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरों में कमी की थी। सरकार का मानना था। टैक्स में कमी करने का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा। लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिसका असर बाजार पर पड़ेगा। उत्पादन एवं मांग बढ़ेगी। सरकार के राजस्व में जो कमी होगी, उसकी भरपाई भी हो जाएगी। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से रुपए के मुकाबले डॉलर महंगा होता जा रहा है। उसके कारण जीएसटी की दरों को कम करने का जो फायदा सरकार ने देखा था। वह तो हुआ नहीं, उल्टे सामान और महंगे हो गए हैं। औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थाओं का कहना है। डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने के कारण जो सामान विदेश से आयात हो रहा है। उसके कारण कीमतें पहले की अपेक्षा काफी बढ़ गई हैं। जिसके कारण स्वदेशी बाजार में उत्पाद की कीमत बढ़ाना पड़ रही है। जिसके कारण मांग कम होती जा रही है। लोगों की क्रय शक्ति लगातार कम हो रही है। उपभोक्ता बाजार में डिटर्जेंट, हेयर ऑयल ,चॉकलेट ,नूडल्स और अनाज की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद के दाम भी काफी बढ़े हैं। सौंदर्य प्रसाधन एवं अन्य सामान भी महंगा हो रहा है। रोजमर्रा उपयोग में आने वाली चीज महंगी होती जा रही हैं। एफएमसीजी कंपनियां 2 से 5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने के लिए विवश हैं। उत्पादित सामान की लागत बढ़ती जा रही है। बिक्री कम हो रही है। इसका असर औद्योगिक संस्थानों और व्यापारिक संस्थाओं को उठाना पड़ रहा है। डॉलर ने सब गुड गोबर कर दिया है। यह चर्चा में व्यापारिक जगत कहने लगा है।

रोजमर्रा की चीज़ें होंगी महंगी, 3-5 फीसदी तक बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली । आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरतों पर महंगाई की तलवार लटकने लगी है। साबुन, डिटर्जेंट, बिस्कुट और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की कीमतों में 3-5 फीसदी तक बढ़ोतरी की संभावना है। यह बढ़ोतरी पिछले साल सितंबर में मिली जीएसटी राहत खत्म होने और कच्चे माल की महंगाई के कारण हो रही है। साबुन और डिटर्जेंट में इस्तेमाल होने वाला पैराफिन और सर्फेक्टेंट महंगा हो गया है। साथ ही नारियल तेल के दाम पिछले एक साल में लगभग दो गुना बढ़ गए हैं। 30 जनवरी 2026 को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 92.02 रुपए पर पहुंच गया, जो ऐतिहासिक निचला स्तर है। इससे विदेश से आयात किए जाने वाले सामान जैसे बादाम, ओट्स और मूसली महंगे हो गए हैं। बीते साल सितंबर में सरकार ने जीएसटी में राहत दी थी, जिससे कीमतें कम थीं। अब उस राहत का असर खत्म होने से कीमतें फिर बढ़ने लगी हैं।

कौन-सी चीज़ें महंगी होंगी?

* होम केयर¬ सर्फ एक्सेल, रिन, विम, डोमेक्स - 3-5 फीसदी
* पर्सनल केयर¬ वाटिका हेयर ऑयल, डाबर - 2 फीसदी
* खाद्य पदार्थ¬ बिस्कुट, चॉकलेट, नूडल्स, ओट्स - 2-4 फीसदी
* पेय पदार्थ¬ टाटा टी, रियल जूस - सीजनल बदलाव

शेयर बाजार में हाहाकार...बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर

बाजार, सेंसेक्स 1236 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे
निवेशकों के डूबे 8 लाख करोड़

नई दिल्ली।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच गुरुवार को भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। लगातार तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला रुकते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1236.11 अंक या 1.48 प्रतिशत गिरकर 82,498.14 पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 365.00 अंक या 1.41 प्रतिशत गिरकर 25,454.35 पर बंद हुआ। मार्केट की इस बिकवाली में मिड-कैप और स्मॉल-कैप कंपनियों को ज्यादा नुकसान हुआ। निवेशकों के करीब-करीब 8 लाख करोड़ रुपये डूब गए। शेयर बाजार की इस गिरावट में बीएसई की बड़ी लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप काफी कम हो गया। बीते कारोबारी दिन में बीएसई का मार्केट कैप जो पिछले सेशन में 472 लाख करोड़ रुपये था। वह घटकर 464 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी निवेशकों को भारी नुकसान हो गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंडिगो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, अदानी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, आईटीसी, इटरनल और पावरग्रिड प्रमुख रूप से पिछड़ने वाली कंपनियां रहीं।

मुनाफावसूली का दिखा असर

हालिया बढ़त के बाद घरेलू बाजार में मुनाफावसूली देखने को मिल रही है। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने लगातार तीसरे सत्र में बढ़त जारी रखी। बजट, भारत-अमेरिका समझौता और आरबीआई की नीति जैसे बड़े आर्थिक कारणों के खत्म होने और तीसरी तिमाही के नतीजों का दौर पूरा होने के बाद, नए घरेलू कारणों की कमी की वजह से बाजार में शेयरों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

फेड मीटिंग का असर

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जनवरी में हुई बैठक से पता चलता है कि अधिकारी आगे की रणनीति को लेकर बंटे हुए हैं। कुछ लोग मानते हैं कि अगर महंगाई कम होती है तो राहत मिल सकती है, जबकि दूसरे मानते हैं कि अगर कीमतों का दबाव बना रहा तो सख्ती जारी रखनी पड़ेगी। ब्याज दरों में कटौती पर लंबे समय तक रोक या अमेरिकी फेड द्वारा फिर से दरें बढ़ाने से डॉलर मजबूत हो सकता है। इससे भारतीय बाजारों में विदेशी निवेश पर असर पड़ सकता है। नकदी बाजार में लगातार सात महीनों की बिकवाली के बाद फरवरी में विदेशी निवेशकों की खरीदारी फिर से शुरू हुई है।

अमेरिका-ईरान तनाव पर बाजार की नजर

बुधवार को सीएनएन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि अमेरिकी सेना इस सप्ताहांत तक ईरान पर हमला करने की तैयारी में है। एक्सियोस ने बताया कि यह हमला छोटा नहीं बल्कि कई हफ्तों तक चलने वाला बड़ा अभियान हो सकता है, जो लगभग युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। बाजार अमेरिका-ईरान संबंधों से जुड़े घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक हफ्ते के आखिरी में तनाव बढने की आशंका से अपनी पोजीशन घटा रहे हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी बाजार पर असर डाला है। पिछले सत्र में डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स 4.60 प्रतिशत बढ़कर 65.19 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 4.35 प्रतिशत बढ़कर 70.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। गुरुवार को भी ब्रेंट क्रूड 70.53 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 65.4 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। ऊंची तेल कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और रुपये के लिए सही नहीं मानी जातीं, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है।

भारत की भूमिका अहम, एआई में अवसर और जोखिम समान- एंथ्रोपिक

नई दिल्ली । एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि एआई मॉडल के स्वायत्त व्यवहार, संभावित दुरुपयोग और आर्थिक विस्थापन से जुड़े जोखिमों के बीच भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमोदेई ने बताया कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से ग्लोबल साउथ के लिए मानक स्थापित किए हैं और तकनीकी एवं मानवीय लाभों के प्रसार में मदद की है। उनका मानना है कि भारत वैश्विक एआई नीति और नैतिक उपयोग के निर्धारण में अहम योगदान दे सकता है। अमोदेई के अनुसार, एआई प्रणाली बीमारियों का इलाज कर सकती हैं, मानव स्वास्थ्य सुधार सकती हैं और अरबों लोगों को गरीबी से बाहर निकाल सकती हैं। यह प्रणाली वैश्विक स्तर पर सभी के लिए बेहतर दुनिया बनाने में मदद कर सकती है। हालांकि, उन्होंने एआई के स्वायत्त निर्णय, दुरुपयोग और आर्थिक विस्थापन की संभावनाओं पर चिंता जताई। अमोदेई ने चेताया कि ये जोखिम अवसरों के साथ मौजूद हैं और इसका संतुलित प्रबंधन आवश्यक है।

निसान का 2026-27 में 2 लाख वाहनों की बिक्री- निर्यात का लक्ष्य

नई दिल्ली । जापानी ऑटोमेकर निशान ने भारत में अपनी पुनरुत्थान योजना के तहत 2026-27 में घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों में 1,00,000 यूनिट का लक्ष्य रखा है। अप्रैल 2025-26 तक कंपनी ने भारत में कुल 89,987 वाहन बनाए, जिनमें से 17,662 वाहन घरेलू बाजार में बिके और 68,091 वाहनों को विदेशों में भेजा गया। कई वर्षों तक मुख्य रूप से मॉडल मैग्नाइट पर निर्भर रहने के बाद, निसान ने अब अपने भारतीय पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। मंगलवार को लॉन्च हुई नई 7-सीटर मल्टी-पर्पस व्हीकल ग्रेविट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.65 लाख रुपये है। यह कदम कंपनी की भारत में सक्रिय प्रतिस्पर्धा और ग्राहक विकल्प बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने निर्णय लिया है कि हर जगह मजबूत होने के बजाय मुख्य बाजारों पर ध्यान केंद्रित किया जाए, और भारत को वैश्विक रणनीति में एक प्रमुख बाजार और विकास स्थल के रूप में स्थापित किया गया है। भारत के हालिया मुक्त व्यापार समझौते जैसे यूके और यूरोपीय संघ के साथ, निसान के निर्यात लक्ष्यों के लिए सहायक हो सकते हैं। भारत-यूएई व्यापार समझौते का कंपनी पहले ही लाभ उठा चुकी है।

मुकेश अंबानी की एआई में 10 लाख करोड़ निवेश करने की योजना

- भारत को सुलभ और व्यापक एआई युग में अग्रणी बनाना मुख्य उदेद्श्य

मुंबई ।

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में घोषणा की कि जियो और रिलायंस समूह अगले सात वर्षों में कृत्रिम मेधा (एआई) में 10 लाख करोड़ रुपये निवेश करेंगे। अंबानी ने स्पष्ट किया कि यह कोई सट्टा निवेश नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक, अनुशासित राष्ट्र निर्माण और मूल्य वृद्धि के लिए पूंजी है। अंबानी ने कहा कि एआई का सर्वश्रेष्ठ रूप अभी आना बाकी है और यह अपार समृद्धि का युग लाने की क्षमता रखता है। उन्होंने दुनिया के सामने दो रास्तों का जिक्र किया- एक तरफ दुर्लभ, महंगी और नियंत्रित एआई और दूसरी तरफ सस्ती एवं सभी के लिए सुलभ एआई। उनका उद्देश्य भारत को सुलभ और व्यापक एआई युग में अग्रणी बनाना है। मुकेश अंबानी ने बताया कि एआई में सबसे बड़ी बाधा प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि कंप्यूटिंग की उच्च लागत है। इसके समाधान के लिए जियो इंटेलिजेंस भारत का संप्रभु कंप्यूटिंग अवसंरचना तैयार करेगा, जिसमें गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर शामिल हैं। अंबानी ने जोर दिया कि जियो भारत को इंटरनेट युग से बुद्धिमता (एआई) युग में ले जाएगा। उनका लक्ष्य है कि हर नागरिक, हर क्षेत्र और सामाजिक विकास के हर पहलू तक एआई पहुंचाई जाए और वह भी विश्वसनीय, व्यापक और बेहद किफायती तरीके से।

1 अप्रैल से क्रेडिट कार्ड लेन-देन पर नए आयकर नियम

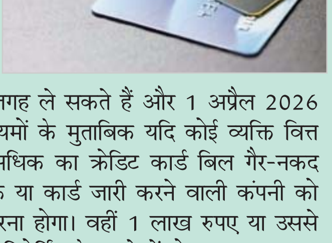

मुंबई । भारत में डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ रहे हैं और क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अब टियर-2 और टियर-3 शहरों तक पहुंच चुका है। इस बीच आयकर विभाग ने ड्राफ्ट इनकम टैक्स रूल्स 2026 जारी किए हैं, जो 1962 के पुराने नियमों की जगह ले सकते हैं और 1 अप्रैल 2026 से लागू हो सकते हैं। नए नियमों के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति वित्त वर्ष में 10 लाख रुपए से अधिक का क्रेडिट कार्ड बिल गैर-नकद माध्यम से चुकाता है, तो बैंक या कार्ड जारी करने वाली कंपनी को आयकर विभाग को रिपोर्ट करना होगा। वहीं 1 लाख रुपए या उससे अधिक का नकद भुगतान भी रिपोर्टिंग के दायरे में होगा। यह व्यवस्था पहले भी थी, लेकिन अब और स्पष्ट और व्यवस्थित हो गई है। पैन कार्ड या अन्य दस्तावेज़ी प्रक्रिया में तीन महीने से अधिक पुराना न होने वाला क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट अब एड्रेस प्रूफ के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे दस्तावेज़ों की सत्यता और अद्यतन जानकारी सुनिश्चित होगी।

अनिल कपूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर का पद ठुकराया?

अनिल कपूर की फिल्म 'नायक' साल 2001 में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी को दर्शकों ने काफी सराहा था। फिल्म में अनिल कपूर एक पत्रकार की भूमिका में थे, जिसे एक दिन का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिलता है।असल जिंदगी में भी अनिल कपूर को एक खास पद पर काम करने का मौका मिला था, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया।

यूएन का ऑफर ठुकराया?

हाल ही बातचीत में अनिल कपूर कहते हैं, 'जब मुझे डैनी बॉयल की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर(2008)' के कारण इंटरनेशनल लेवल पर पॉपुलैरिटी मिली तो यूएन की तरफ से एक सिंबॉलिक पोजिशन पर काम करने का ऑफर आया। लेकिन मैं इसे एक फोटो खींचवाने वाली जॉब की तरह नहीं करना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि लोग चार फोटो लें और मैं कुछ काम ना करूं। वैसे भी मेरी इतनी सारी प्रायोरिटीज हैं कि मुझे नहीं लगता कि यूएन वाला काम कर पाता। मैं बिना दिखावा किए सिर्फ वही काम करता हूं, जो मैं कर सकता हूं। मुझसे कहीं बेहतर लोग हैं जो राज्यसभा और लोकसभा में होने के लायक हैं।'

ओटीटी पर आएगी अनिल की 'सूबेदार'

हाल ही में अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' का टीजर रिलीज हुआ। यह 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म की कास्ट और कहानी के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल फैंस अनिल कपूर को नए अवतार में देखने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनिल कपूर के खाते में कई फिल्में शामिल हैं। 'सूबेदार' के अलावा उनकी आगामी फिल्मों और सीरीज में 'अल्फा', 'किंग' और 'फैमिली बिजनेस' शामिल हैं। इसके अलावा उनके 'नायक 2' बनाने की भी चर्चाएं हैं। हाल ही में अनिल कपूर अपनी बेटी सोनम कपूर के बेबी शॉवर में नजर आए थे।

डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं, इस थीम पर कृतिका कामरा और गौरव कपूर करेंगे शादी

क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर औ कृतिका कामरा जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों की शादी की खबरें बीते दिनों से सुर्खियों में थी। अब खबर है कि जल्द ही गौरव और कृतिका शादी करने वाले हैं। साथ ही दोनों ने शेयर भी किया है कि वे कैसी शादी करना चाहते हैं।

सादगी भरी होगी शादी

कृतिका कामरा और गौरव कपूर मार्च में अपने जीवन में नई शुरुआत करने वाले हैं। लेकिन उन्होंने बड़ी और आलीशान डेस्टिनेशन वेडिंग की जगह एक मॉडर्न और मिनिमलिस्ट शादी करने का फैसला किया है। दोनों अपनी शादी की तैयारियों में खुद पूरी तरह शामिल हैं। हर छोटी-बड़ी चीज को सोच-समझकर प्लान किया जा रहा है। उनका मकसद दिखावे से दूर रहकर एक सादगी भरी शादी करना है।

मुंबई में होगी शादी

कृतिका और गौरव अपनी सादगी भरी सोच के लिए जाने जाते हैं। वे चाहते हैं कि उनकी शादी उनके असली व्यतित्व को दिखाए। मॉडर्न और एलिगेंट अंदाज को अपनाने का फैसला उन्होंने किसी ट्रेंड की वजह से नहीं, बल्कि अपनी पसंद और सोच के मुताबिक लिया है। कपल के एक करीबी सूत्र ने बताया, 'कृतिका और गौरव के लिए शादी का मतलब बड़ा आयोजन नहीं, बल्कि उसकी अहमियत है। उन्होंने डेस्टिनेशन वेडिंग छोड़कर मुंबई में एक सादी, मॉडर्न और इंटिमेट शादी करने का फैसला किया है। वे चाहते हैं कि यह जश्न उनकी पर्सनालिटी के हिसाब से हो। शादी के लिए हर डिटेल पर खास ध्यान दिया जा रहा है। सजावट से लेकर स्टाइलिंग तक, सब कुछ उनकी पसंद और पर्सनालिटी को दर्शाएगा।' जानकारी के मुताबिक, शादी का माहौल बेहद एनर्जी भरा और अपनापन लिए होगा। सजावट और पूरे सेटअप सादगी से भरा होगा, ताकि पूरे कार्यक्रम में अपनापन महसूस हो।

300 करोड़ है रणवीर सिंह की 'प्रलय' का बजट

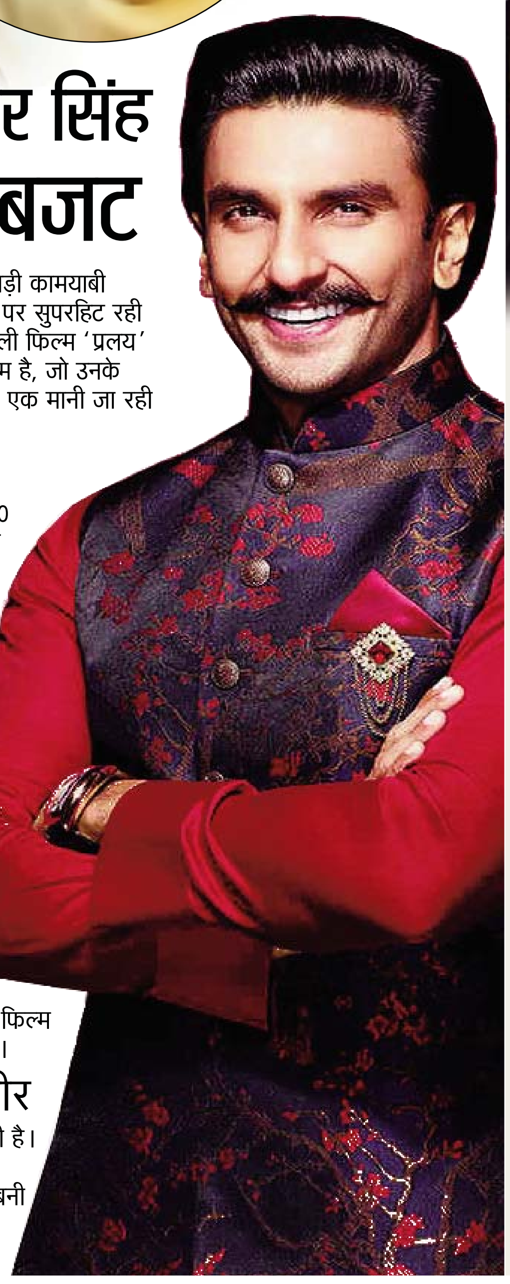

रणवीर सिंह ने अपनी हालिया फिल्म 'धुरंधर' से बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की है। यह जासूसी थ्रिलर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। अब रणवीर सिंह अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह एक जॉम्बी ड्रामा फिल्म है, जो उनके करियर की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है, जिसका बजट करोड़ों में है।

क्या है प्रलय का बजट?

एक खबर के अनुसार, इस फिल्म का बजट लगभग 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। यह रणवीर सिंह की अब तक की सबसे महंगी सोलो फिल्म हो सकती है। इसमें स्क्रिप्ट से लेकर वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट्स) तक हर चीज में शामिल है। उन्होंने बैकएंड प्रॉफिट-शेयरिंग डील भी की है।

किस पर आधारित होगी फिल्म 'प्रलय'

फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता के बेटे जय मेहता कर रहे हैं। कहानी कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें पोस्ट-एपोकैलिप्टिक दुनिया, जॉम्बी थ्रिलर, बड़े एक्शन और परिवार की भावनात्मक कहानी होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ मुख्य अभिनेत्री के रोल में कल्याणी प्रियदर्शन नजर आ सकती हैं, लेकिन अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग मई या जून 2026 में शुरू होने की उम्मीद है।

'धुरंधर 2' में नजर आएंगे रणवीर

रणवीर की 'धुरंधर 2' जल्द ही सिनेमाघरों में आने वाली है। यह 19 मार्च को रिलीज होगी, जिसमें पहले हिस्से के कलाकार वापस आएंगे और यह और भी बड़े पैमाने पर बनी है। इसी दिन कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' रिलीज होगी।

'लैला मजनू' की तर्ज पर 'हीर रांझा' बनाएंगी एकता कपूर

14 फरवरी 'वैलेंटाइन डे' पर फिल्म निर्माताओं ने 'हीर रांझा' की खास झलक शेयर की है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध फिल्म निर्माता इम्तियाज अली के छोटे भाई साजिद अली करेंगे। एकता कपूर ने अपनी नई फिल्म 'हीर रांझा' की एक खास झलक इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म 'हीर रांझा' को लेकर कैप्शन में लिखा, 'कुछ प्रेम कहानियां कभी नहीं मरतीं।' आगे एकता ने लिखा, ' 'लैला मजनू' से लेकर 'हीर रांझा' तक की प्रेम कहानियों की विरासत जारी है।' इस फिल्म के प्रस्तुतकर्ता इम्तियाज अली है। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज के छोटे भाई साजिद अली करेंगे। फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता कपूर और प्रीति अली बालाजी मोशन पिक्चर्स और पी फिल्म के तहत करेंगे। फिल्म की इस झलक को देखकर यूजर्स काफी उत्साहित हैं और मांग कर रहे हैं कि लैला मजनू की तरह इस फिल्म में भी तृप्ति डिमारी और अविनाश तिवारी को ही कास्ट किया जाए।

स्वयंभू के टीज़र में सम्युक्ता के वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीज़र में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नज़र हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नज़र आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ-टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज़ में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों। टीज़र में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष-बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई — हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है। सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है — ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज़। इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

सही समय और सही जीवनसाथी का इंतजार

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, शादी की खबरों पर मृणाल इनकार कर चुकी हैं। जबकि धनुष के साथ रिश्ते पर भी दोनों स्टार्स में से किसी ने भी खुलकर कुछ नहीं कहा है। अब मृणाल का कहना है कि वो शादी की योजना बना चुकी हैं।

बातचीत में मृणाल ने कहा है कि शादी निश्चित रूप से उनकी योजनाओं का हिस्सा है, लेकिन तभी जब समय और जीवनसाथी सही लगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने जीवन में सही साथी के आने का इंतजार कर रही हैं। उनकी यह टिप्पणी अभिनेता धनुष के साथ उनके रोमांटिक संबंधों की अफवाहों को खारिज करने के कुछ ही समय बाद आई है। अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए मृणाल ने कहा कि वह एक दिन शादी करना चाहती हैं। जब सही दिन और सही जीवनसाथी मिलेगा, तो मैं खुद सोशल मीडिया पर इस खबर की घोषणा करूंगी।

शादी को लेकर बदले लोगों के विचार

अभिनेत्री का मानना है कि समय के साथ लोगों का शादी को लेकर विचार भी काफी बदल गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि आज लोग सामाजिक अपेक्षाओं या दबाव के बजाय सच्चे जुड़ाव के कारण शादी का चुनाव करते हैं। पहले शादी के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते थे, लेकिन अब यह सही व्यक्ति के साथ रहने की इच्छा के बारे में है।

पिछले साल से चल रहीं धनुष मृणाल के अफेयर की खबरें

पिछले कुछ वक्त से मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। पिछले दिनों तो ये भी खबरें आई थीं कि मृणाल और धनुष 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के मौके पर ही शादी भी कर सकते हैं। हालांकि, इन खबरों को मृणाल ने यह कहते हुए खारिज किया था, 'शादी की तारीख तक आ गई और मुझे इनवाइट भी नहीं किया गया।' हालांकि, मृणाल और धनुष के रिश्ते की आधिकारिक तौर पर पुष्टि कभी नहीं हुई, लेकिन पिछले साल उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में शामिल होने के बाद अटकलें शुरू हो गईं। बाद में 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर उनके धनुष को गले लगाने के वीडियो ने अफवाहों को और हवा दी।

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

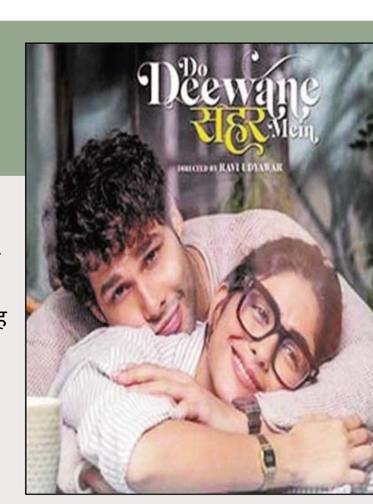

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस रोमांटिक लव स्टोरी में वो सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। रवि उदयवार द्वारा निर्देशित और संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में आदिवी शेष के साथ रोमांटिक-एक्शन थ्रिलर 'डकैत' भी है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in